कार्तिक शुक्ल - 9 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 117 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | चेन्नई » बुधवार » 22-11-2023 | ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो चुनाव में धन संस्कृति के खिलाफ बोलती है : खांडू

6 युद्ध-विराम के लिए समझौता टेबल पर बैठने की पहल हो

7 रोहित शेट्टी ने पेश किया 'सिंघम अगेन' से अजय देवगन का फर्स्ट लुक

फर्स्ट टेक

आज वर्चुअल जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा भारत

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को भारत की मेजबानी में होने वाले वर्चुअल जी20 शिखर सम्मेलन में सितंबर में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के मुख्य कार्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया जाएगा। शिखर सम्मेलन के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए, जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा, कल शाम 5:30 बजे आयोजित होने वाला जी20 का आभासी शिखर सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के समापन के बाद से विश्व नेताओं की एक प्रमुख सभा होगी। कांत ने कहा कि यह दूसरी बार होगा जब प्रधानमंत्री ढाई महीने की अवधि में जी20 के नेताओं की मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, यह वैश्विक स्तर पर भारत की शक्ति और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को प्रदर्शित करता है।

आईएचसी ने इमरान की 'जेल सुनवाई' को किया अवैध घोषित

इस्लामाबाद/वार्ता। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने मंगलवार को सिफर मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 'जेल सुनवाई' में सुनवाई के लिए 29 अगस्त की अधिसूचना को अवैध करार दिया। मीडिया के अनुसार, सिफर मामले में पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान के खिलाफ जेल में सुनवाई को मंजूरी देने के एकल सदस्यीय पीठ के फैसले के खिलाफ इमरान की ओर से दायर 'जेल सुनवाई' की अपील पर यह फैसला सुनाया गया। गौरतलब है कि 29 अगस्त को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने तोशाखाना मामले में खान की सजा को निलंबित किया था, लेकिन आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के अंतर्गत स्थापित एक विशेष अदालत ने जेल अधिकारियों को सिफर मामले में खान को न्यायिक हिरासत में रखने का निर्देश दिया था।

उत्तर कोरिया ने जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने के लिए तीसरा प्रयास किया

टोक्यो/एपी। उत्तर कोरिया ने एक रॉकेट का प्रक्षेपण किया है जो एक जासूसी उपग्रह को उसकी कक्षा में पहुंचाने का उसका तीसरा प्रयास रहा होगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। सियोल ने कहा कि मंगलवार को देर शाम एक रॉकेट का प्रक्षेपण किया गया लेकिन इस बारे में और विवरण अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। इससे पहले, उत्तर कोरिया ने जापान को अवगत कराया था कि वह संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए आने वाले दिनों में एक उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा।

सूर्यास्त 21-11-2023	सूर्योदय 22-11-2023
5:39 बजे	6:11 बजे

BSE	NSE
65,930.77 (+275.62)	19,783.40 (+89.40)

सोना	चांदी
6,297 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	77,000 रु. प्रति किलो

'एक देश-एक चुनाव' राष्ट्रीय हित में, सबसे बड़ा फायदा जनता को होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली (उप्र)/भाषा। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावना तलाशने वाली समिति के प्रमुख व पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देश में सभी चुनाव एक साथ कराने के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें राष्ट्रीय हित है और इसका सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होगा।

रायबरेली में एक निजी कार्यक्रम में आये पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में 'एक देश–एक चुनाव' का समर्थन करते हुए कहा, 'इसमें कोई भेदभाव नहीं है। इसमें सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होने वाला है क्योंकि जितना राजस्व बचेगा, वह विकास कार्यों में लगाया जा सकता है।' कोविंद ने कहा, 'इस पर बहुत सारी समितियों की रिपोर्ट आयी हैं। संसदीय समिति की रिपोर्ट आयी है, नीति आयोग की रिपोर्ट आयी है। भारत के निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट आयी है और कई समितियों की रिपोर्ट आयी है जिनमें उन्होंने कहा है कि देश में 'एक देश–एक चुनाव' की व्यवस्था लागू होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'भारत सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति नियुक्त की है। मुझे उसका प्रमुख बनाया गया है। उसमें और भी सदस्य हैं। हम सब लोग जनता से मिलकर और मीडिया के माध्यम से कुछ (निष्कर्ष) निकालने की कोशिश कर रहे हैं।'

कोविंद ने कहा कि समिति सरकार को सुझाव देगी कि किसी समय देश में लागू रही इस परंपरा को किस तरह पुन: प्रभाव में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मैंने जितने भी पंजीकृत दल हैं उन सबसे संपर्क करके उनके सुझाव मांगे हैं और कभी न कभी हर राष्ट्रीय राजनीतिक दल ने इस पर समर्थन भी किया है।' उन्होंने कहा, 'कुछ दल (असहमत) हो सकते हैं, लेकिन हम सबसे अनुरोध कर रहे हैं कि आप अपना सकारात्मक सहयोग दीजिए। इससे देश का हित है, इसमें राष्ट्रीय हित का मुद्दा है, इसमें किसी भी राजनीतिक दल का लेना–देना नहीं है।'

पूर्व राष्ट्रपति ने दावा किया कि यह प्रणाली लागू होगी तो देश में जो भी सत्ताधारी दल होगा, उसे इसका फायदा होगा, वह चाहे भाजपा हो, कांग्रेस हो या दूसरे राजनीतिक दल हों। उन्होंने कहा कि इसमें कोई भेदभाव नहीं है और इससे सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होने वाला है।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने 752 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े अपराधिक कमाई के शोध (पीएमएलए) के आरोपों की जांच के सिलसिले में 751.9 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी रूप से संलग्न (कुर्क) करने का आदेश जारी किया है।

जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उसकी जांच से पता चला कि मेसर्स एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के पास दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे भारत के कई शहरों में फैली अचल संपत्तियों के रूप में अपराध से प्राप्त 661.69 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां हैं।

एजेंसी ने कहा है कि इस प्रकरण में जांच के दायरे में घिरी यंग इंडियन (वाईआई) कंपनी के पास एजएएल के इक्विटी शेयरों में निवेश के रूप में 90.21 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित सम्पत्ति है।

धन शोधन निवारक अधिनियम 2002 के तहत इन संपत्तियों इन संपत्तियों की कुर्की के पक्के आदेश हासिल करने के लिए एजेंसी इसे विशेष अदालत में प्रस्तुत करेगी।

भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'वज्र प्रहार' की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारत–अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'वज्र प्रहार, 2023' के 14वें संस्करण की मंगलवार को मेघालय के उमरोई छावनी के 'ज्वाइंट ट्रेनिंग नोड' में शुरुआत हुई। रक्षा विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, अमेरिकी सैन्यदल का नेतृत्व अमेरिकी विशेष बल के प्रथम स्पेशल फोर्सेस ग्रुप (एसएफजी) के कर्मियों ने किया जबकि भारतीय सेना के दल का नेतृत्व पूर्वी कमांड के विशेष बल कर्मियों ने किया। 20 दिवसीय अभ्यास 'वज्र प्रहार' भारतीय सेना और अमेरिकी सेना के विशेष बलों के बीच एक संयुक्त अभ्यास है, जिसका उद्देश्य संयुक्त मिशन योजना व युद्ध रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम तौर–तरीकों और अनुभवों को साझा करना है।

मानहानि मामले में भाजपा विधायक नीतेश राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत द्वारा दी गयी मानहानि की शिकायत के सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नीतेश राणे को मंगलवार को जमानती वारंट जारी किया।

मझगांव मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 15000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया, क्योंकि नीतेश राणे मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हुए। अदालत ने पिछले महीने नीतेश राणे को समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत ने मंगलवार को कहा कि नीतेश राणे अनुपस्थित रहे और उनका पक्ष रखने के लिए कोई वकील भी उपस्थित नहीं हुआ। राउत के वकील ने तब एक आवेदन दाखिल कर विधायक के खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया।

सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों का पहला वीडियो सामने आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। बचाव अभियान के दसवें दिन मंगलवार को सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल होने का पहला वीडियो सामने आने के बाद उनके बाहर निकलने की बाट जोह रहे उनके परिवारों की उम्मीदें बढ़ गई है।

अधिकारियों ने बताया कि छह इंच की पाइपलाइन के जरिए श्रमिकों तक खिचड़ी भेजने के कुछ घंटों बाद बचावकर्मियों ने उसी पाइप से तड़के उन तक एंडोस्कोपिक फ्लैक्सी कैमरा भेजा जिससे उनके सकुशल होने का वीडियो मिला। यह कैमरा सोमवार देर शाम दिल्ली से सिलक्यारा पहुंचा।

उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे उसमें मलबे के दूसरी ओर श्रमिक फंस गए जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है ।

हांलांकि, बचावकर्मियों को पहली कामयाबी सोमवार को मिली जब उन्होंने मलबे के आरपार 53 मीटर लंबी छह इंच की पाइपलाइन डाल दी। इसी पाइपलाइन के जरिए सुरंग में एंडोस्कोपिक फ्लैक्सी कैमरा डाला गया।

वीडियो में पीले और सफेद रंग के हेलमेट पहने श्रमिक पाइपलाइन के माध्यम से भेजा गया भोजन प्राप्त करते हुए और एक–दूसरे से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

नाटो सर्बिया के साथ संबंधों के विस्तार के लिए तैयार

मास्को/वार्ता। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देश की तटस्थ स्थिति को कम किए बिना सर्बिया के साथ अपने संबंधों का विस्तार करने के लिए तैयार है। नाटो के प्रमुख जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्टोलटेनबर्ग ने सर्बियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक साथ अभ्यास किया है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह सर्बिया की तटस्थता को कमजोर करता है। सर्बिया ने स्पष्ट किया है कि वह सैन्य गुटों के बाहर एक तटस्थ देश के रूप में रहेगा, लेकिन सर्बिया नाटो के साथ करीबी संबंध बनाए रखेगा और मिलकर काम करेगा, इससे नाटो और सर्बिया दोनों को फायदा होगा। नाटो प्रमुख ने कहा, सर्बिया नाटो का एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सक्रिय और लंबे समय से भागीदार है। हमारे सहयोग का एक ज्वलंत उदाहरण पिछले 10 वर्षों में नाटो के शांति कार्यक्रम के लिए विज्ञान हेतु किया गया संयुक्त कार्य है।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक, सुरक्षा साझेदारी को गहरा करने का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अपनी आर्थिक एवं सुरक्षा साझेदारी को गहरा करने का संकल्प जताया और एक ''मुक्त, स्वतंत्र, समावेशी एवं नियम आधारित'' हिंद–प्रशांत के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह क्षेत्र चीन की बढ़ती आक्रामकता का गवाह बन रहा है।

'भारत–ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क संवाद' में हिस्सा लेने के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वोंग के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अगले साल किसी समय क्वाड (चतुष्पक्षीय) समूह की एक बैठक की तैयारी कर रहा है। क्वाड समूह में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) वार्ता पर आगे बढ़ने के महत्व को रेखांकित किया और इस विषय पर चर्चा की।

जयशंकर ने कहा, ''हमने अपने छात्रों और पेशेवरों की दोनों देशों में आवाजाही अधिक सुगम बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के तरीके पर बात की।'' विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की।

संवाददाता सम्मेलन में इजराइल–हमास संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने भारत की स्थिति के बारे में बात की और कहा कि इस ''बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण स्थिति'' के कई पहलू हैं। जयशंकर ने कहा, ''सात अक्टूबर को जो हुआ, निश्चित रूप से आतंकवाद उसका एक पहलू है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रूप में हम यही सोचते हैं कि हमें आतंकवाद पर कभी समझौता नहीं करना चाहिए, हमें इसके बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए। इसलिए वह एक मुद्दा है और इसमें बंधकों का मुद्दा भी शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा मुद्दा आज गाजा में मानवीय संकट का है।

भू-राजनीति में बदलाव जारी हैं, केवल सेना युद्ध नहीं जीत सकती : लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। थलसेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कालिता ने मंगलवार को कहा कि भू–राजनीतिक परिदृश्य में एक बदलाव आ रहा है और सिविल सोसाइटी की भागीदारी के बिना केवल सशस्त्र बल भविष्य में होने वाला कोई युद्ध नहीं जीत सकते।

लेफ्टिनेंट जनरल कालिता ने गौहाटी प्रेस क्लब के अतिथि के तौर पर कहा कि बदलाव ने भारतीय थलसेना को प्रभावित किया है, जो फिलहाल पांच अलग–अलग कार्यक्षेत्रों में एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, रूस–यूक्रेन युद्ध जारी है, इजराइल–हमास संघर्ष भी जारी है। हमारे पड़ोस में भी काफी अस्थिरता है। लिहाजा, पूरी भू–राजनीति बदल रही है। एक बदलाव हो रहा है। और इसका प्रभाव न केवल हमारे देश पर बल्कि हमारी सशस्त्र सेनाओं पर भी पड़ता है।

लेफ्टिनेंट जनरल कालिता ने कहा, चूंकि चारों ओर परिवर्तन हो रहे हैं, तकनीकी विकास हो रहा है तो इससे युद्ध के तरीकों पर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, केवल सशस्त्र बल ही भविष्य में कोई युद्ध नहीं जीत सकते। पूरे देश को प्रयास करना होगा। पूरे देश के हर वर्ग को भविष्य की लड़ाई में भाग लेना होगा। हाल के इजराइल–हमास संघर्ष और रूस–यूक्रेन संघर्ष से यह साबित होता है।

कलिता ने कहा कि वर्तमान समय के युद्ध में, आबादी का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहता और इससे नागरिक–सैन्य समन्वय का महत्व पता चलता है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, इसलिए, युद्ध लड़ने की पद्धति भी बदल रही है। यही कारण है कि 2023 को भारतीय सेना ने परिवर्तन के वर्ष के रूप में चिन्हित किया है।

गाजा के एक अन्य अस्पताल के पास इजराइली सैनिकों का हमास के खिलाफ अभियान जारी

इजराइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करने की घोषणा दोहराई

यरूशलम/भाषा। इजराइल ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों की 15वीं बरसी से पहले पाकिस्तान से संचालित लश्कर–ए–तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने का अपना फैसला मंगलवार को दोहराया। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को कई जगहों पर हुए आतंकी हमलों में 166 लोग मारे गए थे जिनमें कुछ इजराइली नागरिक भी शामिल थे। इजराइल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हैयात ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हां, मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं। यह नई बात नहीं हैं और दरअसल यह 2013 से है। इसे हाल में एक प्रशासनिक चूक की वजह से दोबारा प्रकाशित कर दिया गया था लेकिन यह कोई नई बात नहीं है।'' इससे पहले भारत में इजराइल के दूतावास ने आज एक बयान जारी कर कहा था, ''मुंबई आतंकी हमलों की 15वीं बरसी पर इजराइल ने लश्कर–ए–तैयबा को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

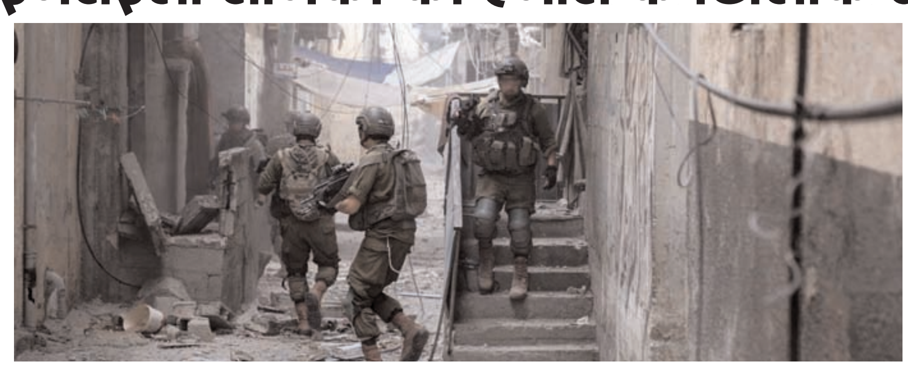

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली सेना ने सोमवार को उत्तरी गाजा के एक अन्य अस्पताल के पास चरमपंथी संगठन हमास के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। अस्पताल के भीतर हजारों की संख्या में मरीज, विस्थापित और शरणार्थी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने कुछ घायलों को अस्पताल से बाहर निकाला।

अस्पताल के भीतर फंसे एक चिकित्सा कर्मचारी और गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इंडोनेशियाई अस्पताल की दूसरी मंजिल पर एक गोला गिरा, जिससे 12 लोगों की मौत हो गई। दोनों ने इजराइल को हमले का दोषी ठहराया।

इजराइल ने अस्पताल पर गोलीबारी से इनकार करते हुए कहा कि उनके सैनिक केवल चरमपंथियों और उनके ठिकानों को निशाना बना रहे है। इंडोनेशियाई अस्पताल पर उस वक्त हमला हुआ, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गाजा शहर के शिफा अस्पताल से निकाले गए 28 नवजातों को सोमवार को मिस्र ले जाया गया। सभी नवजात शिशुओं का जन्म समय से पूर्व हुआ है।

रेड क्रीसेंट ने कहा कि तीन अन्य को दक्षिणी गाजा के रफ़ाह में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा संचालित अस्पताल भेजा गया। कुछ दिनों पहले अस्पताल परिसर में इजराइली सुरक्षा बलों के हमले के बाद वहां 250 से अधिक गंभीर मरीज व अन्य लोग फंसे हुए थे।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली हवाई हमले में दो पत्रकारों की मौत

बेरूत/एपी। दक्षिणी लेबनान में मंगलवार को एक इजराइली हवाई हमले में दो पत्रकार मारे गए, जो बेरूत के अल मयादीन टेलीविजन के लिए हिंसा की रिपोर्टिंग कर रहे थे। लेबनानी सूचना मंत्री ने यह जानकारी दी। लेबनान के टीवी स्टेशन से प्रसारित खबर के अनुसार, हमले में एक लेबनानी नागरिक की भी मौत हुई है। पैन–अरब अल–मयादीन टीवी राजनीतिक रूप से लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला से संबद्ध है। इसने हमले में मारे गए पत्रकारों की पहचान फराह उमर और कैमरामैन रबीह मामरी के रूप में की है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँटी मानवता

हिन्दू, क्रिश्चियन या मुसलमान,
अगड़े–पिछड़े का भेद हुआ।
कोई कुरान बाइबिल वाला,
रामायण, ग्रंथी, वेद हुआ।
बँट गया जातियों में मानव,
अपनी कारा में कैद हुआ।
रिस रही मनुजता की गागर,
उसके तल में अब छेद हुआ।।

सरकार की मंशा बिल्कुल स्पष्ट, लोकपाल, सीआईसी की रिक्तियां समय पर भरी जाएंगी: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि लोकपाल और केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में रिक्तियां समय पर भरी जाएंगी।

सिंह ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह मोदी सरकार ही है जिसने यह सुनिश्चित किया कि इस देश में लोकपाल क्रियाशील हो। केंद्र सरकार समय के साथ रिक्तियों को भरने की योजना बना रही है। इस दिशा में काम प्रगति पर है।'' उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को भरने की एक प्रक्रिया है। मंत्री ने कहा, ''सबसे पहले विज्ञापन निकाले जाते हैं और व्यक्ति आवेदन करते हैं। कभी-कभी आवेदनों की संख्या अधिक होती है। इन आवेदनों का निरीक्षण करना होता है और फिर एक उच्च स्तरीय समिति होती है जो विचार-विमर्श करती है और योग्य उम्मीदवारों पर निर्णय लेती है।''

उन्होंने कहा कि सरकार लोकपाल के साथ-साथ केंद्रीय सूचना आयोग के पूर्ण कामकाज का समर्थन करने में बहुत सक्रिय है। सिंह ने कहा कि जहां तक लोकपाल का सवाल है, यही सरकार है जिसने इसे स्थापित करने और क्रियाशील बनाने में ईमानदारी दिखाई है।

उन्होंने कहा, ''यूपीए (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सहित अन्य राजनीतिक दलों ने यह कहकर उच्च नैतिकता दिखाने का प्रयास किया वे लोकपाल के पक्ष में थे लेकिन वे ईमानदार नहीं थे, इसीलिए वे इसे नहीं लाए। मोदी

सरकार ने इसे क्रियाशील बनाया। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में सरकार की मंशा बहुत स्पष्ट है।''

केंद्र ने अगस्त में भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को लोकपाल के प्रमुख और सदस्यों के नामों की सिफारिश करने के लिए 10 सदस्यीय खोज समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। समिति ने लोकपाल के अध्यक्ष और सदस्यों के पदों के लिए भी आवेदन मांगे हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 सितंबर थी, जिसे बढ़ाकर 13 अक्टूबर कर दिया गया था।

लोकपाल प्रमुख और उसके सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों पर की जाती है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष, निचले सदन में विपक्ष के नेता, भारत के प्रधान न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश, और चयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा अनुशंसित एक प्रतिष्ठित न्यायविद् को इसके सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अनुसार, मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाएगी जिसमें प्रधानमंत्री अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित कैबिनेट मंत्री को इसके सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

लोकपाल एक साल से अधिक समय से बिना किसी नियमित प्रमुख के काम कर रहा है। इसके अलावा, तीन सदस्यों-दो न्यायिक सदस्य और एक गैर-न्यायिक सदस्य की रिक्ति है। लोकपाल का एक अध्यक्ष होता है और इसमें आठ सदस्य-चार चार न्यायिक और गैर-न्यायिक-हो सकते हैं।

जबकि, सीआईसी में आठ सूचना आयुक्तों (10 स्वीकृत पद के विरुद्ध) की रिक्ति है। सीआईसी का नेतृत्व एक मुख्य सूचना आयुक्त करता है।

कांग्रेस को 20 से भी कम सीट, पहले से अधिक सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखेगी बीआरएस : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभा चुनाव में पहले के मुकाबले आधिक सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखेगी जबकि कांग्रेस को विधानसभा में 20 से भी कम सीट पर संतोष करना पड़ेगा । प्रदेश के माधिरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी में एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं।

केसीआर उपनाम से लोकप्रिय, राव ने कहा, ''वे (कांग्रेस) जीतने नहीं जा रहे हैं। मैं आपसे दावे के साथ कह रहा हूं। कांग्रेस के लिए, वही 20 सीट, बल्कि 20 से भी कम सीट। मैं चुनाव अभियान के तहत 70 वें निर्वाचन क्षेत्र मधिरा के दौरे पर आया हूं। अब केवल 30 बचे हैं। अगर मैं बाकी के सभी 30 निर्वाचन क्षेत्रों में जाऊंगा तो कांग्रेस और हार जाएगी। जैसे-जैसे मैं दौरा (चुनाव अभियान के तहत)कर रहा हूं, कांग्रेस हार रही है।'' उन्होने विश्वास जताया कि जबरदस्त बहुमत के साथ प्रदेश में बीआरएस की सरकार बनेगी, अतीत में मिली सीट से कुछ अधिक सीटें इस बार मिलेंगी । उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की कोई शंका नहीं है। केसीआर ने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी पीने और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल तक की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर सकती।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने राज्य को कर्ज के बोझ में डुबो दिया: केंद्रीय मंत्री सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2014 में अपने गठन के समय राजस्व अधिशेष रहा तेलंगाना अब राजस्व घाटे वाला प्रदेश बन गया है और इसके लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जिम्मेदार हैं। सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में मल्काजगिरि से भाजपा के उम्मीदवार एन रामचंद्र राव के सम्मान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की अगली दो से तीन पीढ़ियां कर्ज चुकाती रहेंगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि तेलंगाना एक ऐसा राज्य है जो शराब, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का विरोध कर रहा है और यदि इन्हें जीएसटी के तहत लाया जाता है तो दरें उचित हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''राजस्व अधिशेष (2014 में) रहा राज्य अब राजस्व घाटे वाला राज्य बन गया है। इसका श्रेय केसीआर को जाता है। आज तेलंगाना कर्ज में डूबा है। अगली दो से तीन पीढ़ियों में हमारे बच्चों को इस कर्ज को चुकाना होगा।''

वित्त मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संप्रग सरकार में हमारे सैन्य कर्मियों को न केवल बुलेट-प्रूफ जैकेट से, बल्कि अन्य सुरक्षा उपकरणों से भी वंचित रखा गया था और उन 10 सालों में कोई खरीद नहीं की गई। राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के संबंध में सीतारमण ने कहा कि यह सरकारों के बीच समझौता था और तय कार्यक्रम के अनुसार सभी विमानों की आपूर्ति की गई है। सीतारमण ने कहा, ''राष्ट्रीय हित में फैसले लिए जाते हैं। कोई रिश्वत का लेनदेन नहीं हुआ या किसी कंपनी के साथ हमने सौदेबाजी नहीं की।''

अगर भ्रष्टाचार का ओलंपिक हुआ तो बीआरएस सभी पदक जीतेगी : देवेंद्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को तेलंगाना में 'परिवार का शासन' और कथित भ्रष्टाचार को लेकर के. चन्द्रशेखर राव नीत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर भ्रष्टाचार का ओलंपिक होगा तो सत्तारूढ़ पार्टी सभी पदक जीतेगी।

यहां मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए फडणवीस ने आरोप लगाया, 'बीआरएस ने तेलंगाना को लूटा है और यहां केवल एक परिवार का शासन चल रहा है।' भाजपा नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी का उपहास उड़ाते हुए कहा, ' बीआरएस के शासन में भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि अगर कहीं भी भ्रष्टाचार का ओलंपिक होगा तो सत्तारूढ़ पार्टी सभी पदक जीतेगी।' सभा में

फडणवीस ने कहा, 'पिछले नौ वर्ष में आपने यहां बीआरएस सरकार देखी है। पहले वह तेलंगाना राष्ट्र समिति हुआ करती थी जो अब बीआरएस बन गई है। मुझे लगता है कि उन्हें बीआरएस के बजाए पार्टी का नाम एफआरएस (फैमिली राज समिति)रख लेना चाहिए। यह ज्यादा उचित होगा।' बीआरएस पर हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए फडणवीस ने केसीआर पर खुद का प्रचार करने के लिए विज्ञापनों पर भारी मात्रा में पैसा खर्च करने का भी आरोप लगाया।

केंद्र, राज्य राजनीति भूलकर पराली जलाने से रोकने के उपायों पर विचार करें: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और राज्यों को 'राजनीति भूलकर' यह देखने में अपना दिमाग लगाना चाहिए कि पराली जलाने को कैसे रोका जा सकता है। इसने कहा कि आरोप-प्रत्यारोप का खेल जारी रहने से वायु प्रदूषण के कारण लोग प्रभावित होंगे।

पंजाब सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि फसल अवशेष जलाने पर भूमि मालिकों के खिलाफ 984 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और दो करोड़ रुपये से अधिक का पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाया गया है तथा लगभग 18 लाख रुपये की वसूली की गई है। पीठ ने पराली जलाने का संदर्भ देते हुए कहा, ''राज्यों और केंद्र को राजनीति भूलकर यह देखने में अपना दिमाग लगाना चाहिए कि फसल अवशेषों को जलाने को कैसे रोका जा सकता है।''

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा, ''लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं है कि आप इसे कैसे करते हैं और आप क्या करते हैं तथा अदालत का काम बारीकियों में पड़ना नहीं है। अदालत का काम है आपसे आपका काम करवाना, यानी प्रदूषण को रोकना। आप यह कैसे करते हैं यह आपकी समस्या है।'' प्रदूषण के मामले में न्यायालय की सहायता कर रहीं न्याय मित्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पीठ को सूचित किया कि रविवार को भी पंजाब से पराली जलाने की 700 से ज्यादा घटनाएं सामने आईं।

पीठ ने कहा, एकमात्र व्यक्ति जो इसका उत्तर दे सकता है वह किसान है। वह आपको बता सकता है कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। वह यहां नहीं है। किसान को खलनायक बनाया जा रहा है और खलनायक की बात नहीं सुनी गई है। हो सकता है कि उसके पास कुछ कारण हों। शीर्ष अदालत गंभीर वायु प्रदूषण से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी, जो हर बार सर्दियों में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को प्रभावित करता है।

एसटी दर्जे की मांग को लेकर धनगर समुदाय का विरोध मार्च हिंसक हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। महाराष्ट्र के जालना शहर में, धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की मांग को लेकर मंगलवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति तथा कलेक्टर कार्यालय में दोपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में एक ज्ञापन सौंपने के लिए जिला कलेक्टर से मिलने पर जोर दिया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया, हालांकि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली है। जालना शहर में महात्मा गांधी चमन से शुरू होकर जिला कलेक्टरेट तक चला मार्च शुरुआत में शांतिपूर्ण रहा। समुदाय के नेताओं ने भीड़ को संबोधित करते हुए धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता देने की तत्काल आवश्यकता व्यक्त की, ताकि वे एसटी श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का लाभ उठा सकें। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया। प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सूचित किया कि वरिष्ठ अधिकारी एक बैठक में व्यस्त हैं, जिसके बाद तहसीलदार (राजस्व विभाग की अधिकारी) छाया पवार उनकी मांग सुनने और ज्ञापन स्वीकार करने के लिए आगे आईं। हालांकि, प्रदर्शनकारी सीधे जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपने पर अड़े रहे।

झीरम घाटी नक्सली हमला: बघेल ने कहा शीर्ष अदालत का फैसला राज्य के लिए न्याय के दरवाजे खोलने जैसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने झीरम घाटी नक्सली हमले के सिलसिले में प्रदेश पुलिस की जांच के खिलाफ दायर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की याचिका उच्चतम न्यायालय से खारिज होने बाद कहा है कि यह फैसला राज्य के लिए न्याय के दरवाजे खोलने जैसा है।

मई 2013 में बस्तर क्षेत्र के झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में मृत कांग्रेस नेता उदय मुदलियार के बेटे ने इस हमले के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताई थी, और इसकी जांच की मांग को लेकर पुलिस में मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद एनआईए ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्चतम न्यायालय में मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, माफ करें। हम हस्तक्षेप नहीं करना चाहेंगे। (याचिका) खारिज की जाती है।

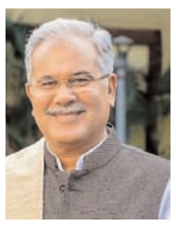

उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद मुख्यमंत्री बघेल ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, 'झीरम कांड पर माननीय उच्च्तम न्यायालय का आज का फ़ैसला छत्तीसगढ़ के लिए न्याय का दरवाजा खोलने जैसा है। झीरम कांड दुनिया के लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड था, इसमें हमने दिग्गज कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोगों को खोया था।' बघेल ने लिखा है, 'कहने को एनआईए ने इसकी जांच की, एक आयोग ने भी जांच की लेकिन इसके पीछे के वृहद राजनीतिक षडयंत्र की जांच किसी ने नहीं की। छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच शुरू की तो एनआईए ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।' उन्होंने लिखा है, 'आज रास्ता साफ़ हो गया है। अब छत्तीसगढ़ पुलिस इसकी जांच करेगी। किसने किसके साथ मिलकर क्या षड्यंत्र रचा था। सब साफ हो जाएगा। झीरम के शहीदों को एक बार फिर श्रद्धांजलि।' प्रदेश के बस्तर जिले के दरभा इलाके की झीरम घाटी में 25 मई 2013 को नक्सलियों ने कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला कर दिया था, जिसमें तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, उनके बेटे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हो गई थी। बस्तर जिले की पुलिस ने तब दरभा पुलिस थाने में घटना की प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में एनआईए ने इसकी जांच शुरू की थी। एनआईए ने अपनी जांच पूरी करने के बाद आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें सुनवाई शुरू हुई थी। दरभा पुलिस थाने में 26 मई, 2020 को घटना के संबंध में भादंवि की धारा 302 और 120 बी के तहत एक और प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता कांग्रेस नेता उदय मुदलियार के पुत्र जितेंद्र मुदलियार ने हमले में साजिश की आशंका जताते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद एनआईए ने जगदलपुर की विशेष अदालत में एक आवेदन दायर कर बस्तर पुलिस को ताजा प्राथमिकी में जांच आगे नहीं बढ़ाने और दूसरी प्राथमिकी से संबंधित सभी दस्तावेज केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था।

यूजीसी नेट पाठ्यक्रम को संशोधित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) के पाठ्यक्रम को संशोधित करेगा और इस प्रक्रिया के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाएगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए यूजीसी-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) आयोजित करती है, तथा भारतीय और कुछ विदेशी भाषाओं सहित मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विषयों के साथ कुछ विज्ञान विषयों में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा के रूप में आयोजित करती है। यूजीसी-नेट परीक्षा 83 विषयों में हर साल दो बार, आमतौर पर जून और दिसंबर में आयोजित की जाती है। यूजीसी ने आखिरी बार 2017 में यूजीसी-नेट विषयों के पाठ्यक्रम को अद्यतन करने की प्रक्रिया शुरू की थी। कुमार ने कहा, ''हालांकि, 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शुरुआत के बाद, बहु-विषयक पाठ्यक्रम और समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा में काफी विकास हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, इस महीने की शुरुआत में अपनी बैठक में आयोग ने निर्णय लिया कि यूजीसी-नेट के विषयों के पाठ्यक्रम को अद्यतन करने की कवायद शुरू की जा सकती है।

टाइटन कंपनी की अगले 5 साल में 3,000 कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना

मुंबई/भाषा। टाइटन कंपनी की अगले पांच साल में इंजीनियरिंग, डिजाइन, लक्जरी, डिजिटल, डेटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में 3,000 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी को डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, उत्पाद प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और अन्य नए जमाने के कौशल जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल पेशेवरों की तलाश है। टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट और खुदरा) प्रिया एम. पिल्लई ने कहा, ''हम अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। अगले पांच साल में हम 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि अपने लोगों को आगे बढ़ाने के साथ यदि हम विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लाते हैं, तो यह अच्छा होगा। इससे हमारी वृद्धि और नवोन्मेषण तेज होगा। उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत होगी।'' फिलहाल कंपनी के कार्यबल का 60 प्रतिशत महानगरों में कार्यरत है। वहीं 40 प्रतिशत दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में है।

महाराष्ट्र सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध : एकनाथ शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा कि अन्य वर्गों के आरक्षण को प्रभावित किए बिना मराठा समुदाय को आरक्षण देना उनकी सरकार की जिम्मेदारी है और इस बाबत काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

शिंदे प्रसिद्ध अंबाबाई मंदिर में देवी महालक्ष्मी के दर्शन करने के बाद कोल्हापुर में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा ठाणे में एक रैली को संबोधित करना उनके खिलाफ नहीं था। ठाणे शहर मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा, वह (जरांगे) हर जगह जा रहे हैं और मराठा समुदाय के सदस्यों से मिल रहे हैं। सरकार का रुख (मराठा आरक्षण पर) दृढ़ है। मराठों को आरक्षण देना हमारी जिम्मेदारी है और हम इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शिंदे ने कहा, अन्य वर्गों के आरक्षण को प्रभावित किए बिना मराठा समुदाय को आरक्षण देना सरकार की जिम्मेदारी है और इस संबंध में काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समूह के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में मराठों के लिए आरक्षण की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। मगर प्रदेश सरकार में मंत्री छगन भुजबल समेत ओबीसी नेता इसका विरोध कर रहे हैं। आरक्षण की मांग को लेकर दो बार भूख हड़ताल कर चुके जरांगे ने सरकार को उनकी मांगों पर कार्रवाई करने के लिए 24 दिसंबर तक की समय सीमा दी है।

इससे पहले दिन में, आरक्षण कार्यकर्ता लरांगे ने राज्य सरकार से विधानमंडल के आगामी शीतकालीन सत्र में मराठा आरक्षण विधेयक पारित करने की अपील की। उन्होंने आरक्षण की मांग को लेकर पहले विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मराठवाड़ा क्षेत्र में मराठों के (वंशावली) दस्तावेजों में कुनबी का उल्लेख मिल रहा है और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शिंदे समिति अपना काम कर रही है। सरकार ऐसा आरक्षण देगी, जो कानून की कसौटी पर खरा उतरेगा और कानून के दायरे में फिट बैठेगा।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संदीप शिंदे समिति का गठन पुराने दस्तावेजों (निज़ाम-युग सहित) की जांच करने के लिए किया गया है, जिनमें कुनबी जाति का उल्लेख मिलता है।

महाराष्ट्र सरकार ने अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में एक आदेश जारी किया था, जिसमें संबंधित अधिकारियों को पात्र मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति के नए प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया गया।

केरल के त्रिशूर में एक स्कूल में पूर्व छात्र ने की गोलीबारी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के त्रिशूर में मंगलवार को एक निजी स्कूल का पूर्व छात्र वहां बंदूक लहराते हुए घुसा और कर्मचारियों एवं छात्रों को आतंकित कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। स्कूल के कर्मचारी के अनुसार, पूर्व छात्र ने संस्थान के अंदर इधर उधर घूमने के बाद कई गोलियां भी चलाईं। हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

जगन नामक एक पूर्व छात्र त्रिशूर में विवेकोदयम स्कूल पहुंचा। कर्मचारी कक्ष में घुसने के बाद उसने अपने बैग से बंदूक निकाली तथा कई कक्षाओं में जाकर छात्रों और कर्मचारियों को आतंकित किया। पुलिस ने कहा कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और जांच जारी है। घटना के तुरंत बाद

जिलाधिकारी वी. आर. कृष्ण तेजा स्कूल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह का यह इकलौता मामला है । उन्होंने अभिभावकों से चिंता नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में हैं।

तेजा ने संवाददाताओं को बताया, ''एक पूर्व छात्र स्कूल आया था। वह मानसिक रूप से थोड़ा अस्थिर लग रहा था। उसने अपनी पिस्तौल से दो या तीन गोलियां चलाईं। स्कूल प्रशासन ने हमें यही बताया है। उसे हिरासत में ले लिया गया है। इस तरह की यह एकमात्र घटना है और जांच जारी है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम सभी यहीं हैं। उसे चिकित्सक के पास ले जाया जाएगा।'' आरोपी की उम्र का अभी पता नहीं चला है। कर्मचारी कक्ष के अंदर बैठे आरोपी की तस्वीरें टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित हुई हैं जिसमें वह अपने बैग से बंदूक निकालकर उसे लहराते हुए दिख रहा है।

स्टालिन ने संगीत विवि का कुलाधिपति नामित करने को लेकर दिवंगत जयललिता की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने वर्तमान मुख्यमंत्री को राजकीय संगीत एवं ललित कला विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नामित करने को लेकर मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की प्रशंसा की।

स्टालिन तमिलनाडु डॉ जे जयललिता संगीत एवं ललित कला विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह देश में संगीत के लिए स्थापित एकमात्र विश्वविद्यालय है और यह इसकी अनोखी विशेषता है। उन्होंने कहा कि केवल तमिलनाडु के इस राजकीय विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री पदेन कुलाधिपति होते हैं और यह विशेषता इसे अन्य संस्थानों से अलग बनाती है। राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2013 में की गई थी जब जयललिता मुख्यमंत्री थीं। वह विश्वविद्यालय की पहली कुलाधिपति भी थीं। उनकी मृत्यु के तीन साल बाद, 2019 में तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार ने इसका नामकरण जयललिता के नाम पर किया था।

स्टालिन ने कहा कि वह राजनीति की बात नहीं कर रहे हैं बल्कि एक तथ्य को सामने ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई संस्था तभी विकसित हो सकती है जब मुख्यमंत्री कुलाधिपति के रूप में कार्य करें। उनकी टिप्पणी से ऐसा प्रतीत होता है कि वह पदेन राज्यपाल के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होने की स्थिति को लेकर विरोध जता रहे थे। स्टालिन ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने इस पर विचार किया और निर्णय लिया कि वर्तमान मुख्यमंत्री संगीत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति होंगे और तदनुसार इसे क्रियान्वित किया। उन्होंने कहा, हम इसके लिए उनकी (जयललिता की) तहे दिल से सराहना कर सकते हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, मैं भी उनकी दिल से सराहना करता हूं। दीक्षांत समारोह में, प्रतिष्ठित पार्श्व गायिका पी सुशीला और मशहूर संगीत इतिहासकार बीएम सुंदरम को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल रवि ने राष्ट्रीय जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम को दिखाई झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश के सुदूर आदिवासी इलाकों के आदिवासी युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि बुधवार (22 नवंबर) को शहर में 15वें राष्ट्रीय जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम (एनटीवाईई) का उद्घाटन किया।

यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के राज्य निदेशक के कुन्हम्मद ने कहा कि चयनित राज्यों और जिलों के आदिवासी युवाओं को सांस्कृतिक लोकाचार, भाषा और जीवन शैली को समझने के लिए विभिन्न स्थानों का दौरा करने का अवसर प्रदान करना है।

स्टालिन ने ओमान में हिरासत में लिए गए तमिलनाडु के मछुआरे की रिहाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर ओमान में हिरासत में लिए गये तमिलनाडु के मछुआरे पेथालिस की रिहाई के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। डॉ. जयशंकर को लिखे पत्र में उन्होंने उनसे ओमान में भारतीय मिशन को पेथालिस को वापस लाने के लिए उचित राजनयिक चैनलों के माध्यम से आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

स्टालिन ने कहा कि कन्याकुमारी जिले का मूल निवासी पेथालिस तमिलनाडु के 18 सदस्यीय दल में से एक है, जो ओमान के दुकम हार्बर में मछली पकड़ने वाली नौकाओं अलेडा (ओमानियाई) में काम करता है।

नौकाओं को उजाला अमरोही, मॉडर्न इंडस्ट्रीज एलएलसी होराइजन हाउस बिल्डिंग 103, वे 38, ए1 मराटा स्ट्रीट, ए1 घबरा नॉर्थ मस्कट, सल्तनत ओटामान, ओमान के नाम पर पंजीकृत किया गया है।

आरोप है कि मालिक ने 18 क्रू मेंबर्स को सैलरी नहीं दी। इसके अलावा, पेथालिस के नेतृत्व में मालिक और मछुआरों के बीच कुछ विवाद भी हुए। इसके बाद कुछ अज्ञात व्यक्ति बिना सूचना के पेथालिस को अज्ञात स्थान पर ले गए हैं। पेथालिस का पासपोर्ट नंबर एस4957793 है।

स्टालिन ने कहा कि विदेश मंत्री से ओमान में भारतीय मिशन को पेथालिस को वापस लाने के लिए उचित राजनयिक चैनलों के माध्यम से आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

श्रीलंका की जेल से रिहा हुए तमिलनाडु के 15 मछुआरे वापस लौटे

चेन्नई। श्रीलंका की जेल से रिहा हुए तमिलनाडु के 15 मछुआरे मंगलवार को सुबह चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे, जिनका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सभी मछुआरे सड़क मार्ग से रामेश्वरम के लिए रवाना हो गए हैं। दो मशीनीकृत नौकाओं पर सवार होकर 15 मछुआरे 14 नवंबर को मछली पकड़ने के लिए रामेश्वरम से निकले थे, लेकिन कथित रूप से श्रीलंकाई जल क्षेत्र प्रवेश करने के कारण उन्हें पकड़ लिया गया था। इसके अलावा, 28 अक्टूबर को तीन ट्रॉलरों में मछली पकड़ने गए लगभग 23 मछुआरों को भी श्रीलंकाई अधिकारियों ने पकड़ लिया था। मत्स्य पालन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें भी रिहा कर दिया गया।

अदालत ने पीड़िता और आरोपी के विवाह के लिए सहमत होने पर बलात्कार का मामला खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पीड़िता द्वारा शादी की मंशा जताने के बाद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और बाल यौन अपराध संरक्षण कानून (पॉक्सो) के तहत दर्ज मामले को खारिज कर दिया। अपराध के समय नाबालिग रही पीड़िता अब बालिग हो चुकी है। अदालत ने आदेश दिया कि यह शादी एक महीने के अंदर हो जाए। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत से रिहा किये जाने का भी आदेश दिया ।

पीड़िता एवं उसके पिता न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौडार की अदालत में पेश हुए और उन्होंने यह कहते हुए एक हलफनामा दाखिल किया कि उन्हें (आरोपी के खिलाफ) कार्यवाही खारिज किये जाने पर कोई एतराज नहीं है। हलफनामे में कहा गया है कि पीड़िता उम्र के लिहाज से अब बालिग है। उसके हवाले से हलफनामे में कहा गया है, ''मैं याचिकाकर्ता के साथ प्रेमसंबंधों में हूं और मैं उससे शादी करना और उसके साथ खुशहाल शादीशुदा जीवन जीना चाहती हूं। वह भी इस बात पर राजी है।''

उसमें उसके हवाले से कहा गया है, ''इस हलफनामे के माध्यम से मैं याचिकाकर्ता के साथ शादी करने की अपनी इच्छा प्रकट करती हूं और मुझे इस उपरोक्त याचिका को, माननीय अदालत द्वारा याचिकाकर्ता के विरूद्ध कार्यवाही को खारिज करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करने पर कोई आपत्ति नहीं है।''

आरोपी को भी उच्च न्यायालय में पेश किया गया। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा, ''याचिकाकर्ता ने कहा कि वह पीड़िता के साथ शादी करने को इच्छुक है तथा उनके बीच जो यौन संबंध बना था, उसमें दोनों की सहमति थी, क्योंकि दोनों के बीच प्रेम संबंध था।'' उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि पीड़िता मामले में जिरह के समय अपने बयान से पलट गयी और अभियोजन पक्ष अभियोजन के सिलसिले में पीड़िता से कुछ जुटा नहीं पाया।'

शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ एस एस बद्रीनाथ का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रसिद्ध वाइट्रियोरैटिनल सर्जन और लाखों लोगों के लिए किफायती नेत्र देखभाल सुनिश्चित करने वाले शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एस एस बद्रीनाथ का मंगलवार को निधन हो गया। अस्पताल के एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

अस्पताल के सूत्र ने बताया कि 83 वर्षीय डॉ बद्रीनाथ ने अपने आवास पर अंतिम श्वांस ली। चेन्नई में जन्मे बद्रीनाथ के परिवार में उनकी पत्नी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ वसंती बद्रीनाथ और दो बेटे अनंत एवं शेषु हैं। बद्रीनाथ के निधन पर शोक जताते हुये, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आंखों की देखभाल में उनके योगदान और समाज के लिए उनकी निरंतर सेवा ने एक अमिट छाप छोड़ी है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''दूरदर्शी, नेत्र विज्ञान के विशेषज्ञ और शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ. एसएस बद्रीनाथ जी के निधन से गहरा दुख हुआ।'' उन्होंने लिखा, ''नेत्र देखभाल में उनके योगदान और समाज के प्रति उनकी अथक सेवा ने एक अमिट छाप छोड़ी है। उनका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना। ओम शांति।''

असाधारण दूरदृष्टि, निस्वार्थ सेवा और करुणा के प्रतीक के रूप में डॉ. बद्रीनाथ की सराहना करते हुए, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट में कहा, ''शंकर नेत्रालय के माध्यम से, उन्होंने लाखों गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन को आसान किया। उनके परिवार और उनके अनुयायियों के प्रति संवेदना। ओम शांति!''

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ एसएस बद्रीनाथ के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ है। अन्नाद्रमुक महासचिव के पलानीस्वामी तथा कई अन्य लोगों ने भी बद्रीनाथ के निधन पर शोक जताया है।

मत्स्य पालन दिवस

बेंगलूरु में मंगलवार को विधान सौधा में विश्व मत्स्य पालन दिवस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य।

'समय की कमी के कारण इंडिगो के आठ यात्री आगे की यात्रा के लिए विमान में सवार नहीं हो सके'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विमानन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि अमृतसर से उड़ान भरने वाले आठ यात्री रविवार को बेंगलूरु पहुंचने के बाद समय की कमी के कारण चेन्नई जाने के लिए दूसरी उड़ान में सवार नहीं हो सके। कंपनी ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी है। इंडिगो का यह बयान उन रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में आया है जिनमें दावा किया गया था कि विमानन कंपनी यात्रियों को ले जाना नहीं चाहती थी और उसने उन्हें विमान से उतार दिया था। इंडिगो ने रविवार (19 नवंबर) को अमृतसर से बेंगलूरु होते हुए चेन्नई की उड़ान 6ई 478 का परिचालन किया, जिसमें आठ पारगमन यात्री सवार थे। इंडिगो ने एक बयान में कहा, अमृतसर से आने वाले विमान की देरी के कारण ये यात्री बेंगलूरु हवाई अड्डे पर चेन्नई के लिए आगे की उड़ान में सवार नहीं हो सके। बयान के मुताबिक, इंडिगो के कर्मचारियों ने पूरी कोशिश की कि यात्री उड़ान में सवार हो सकें लेकिन समय की कमी के कारण ऐसा नहीं हो सका।

अभय, तन्वी और अनाहत राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शीर्ष वरीयता प्राप्त अभय सिंह और तन्वी खन्ना मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे में सफल रहे। पुरुष एकल में गत चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने गुहान सेंथिलकुमार को एकतरफा मुकाबले में 11-2, 11-2, 11-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम-चार में उनका मुकाबला सूरज चंद से होगा, जिन्होंने वैभव चौहान को 11-3 11-8, 11-7 से हराया।

क्वार्टर फाइनल के अन्य मुकाबले में हरिंदर पाल सिंह संधू ने वीर चोटरानी को 11-9, 11-7, 11-9 से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला वेलावन सेंथिलकुमार से होगा। वेलावन सेंथिलकुमार ने वेदांत पटेल को 11-3, 11-4, 11-7 से पराजित किया। महिला एकल में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता तन्वी ने शमीना रियाज को 11-5, 11-4, 11-4 से हराया। उनके सामने अब राथिका सुथनथिरा सीलन की चुनौती होगी। राथिका ने क्वार्टर फाइनल में जेनेट विधि को 11-4, 11-6, 11-2 से हराया। अंतिम आठ में अनाहत और उर्वशी जोशी भी पहुंचने में सफल रहे। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अनाहत ने दिया यादव को 11-7, 11-2, 11-2 से मात दी। उर्वशी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सुनीता पटेल को 5-11, 11-6, 11-4, 11-2 से हराया।

'बेंगलूरु में मां-बेटी की करंट से मौत के मामले में जांच के लिए चार टीम गठित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके व्हाइटफील्ड में एक महिला और उसकी नौ महीने की बेटी की बिजली का करंट लगने से मौत के मामले की जांच के लिए चार टीम गठित की गई हैं। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चौंकाने वाली घटना में रविवार को बिजली के तार के संपर्क में आने के बाद 23 वर्षीय महिला और उसकी गोद में मौजूद बच्ची की मौत हो गई।

जॉर्ज ने कहा कि बेंगलूरु बिजली आपूर्ति कंपनी (बेसकॉम) से एक टीम, पुलिस से दूसरी टीम, तीसरी टीम राज्य बिजली विभाग से और चौथी टीम स्वतंत्र संस्था होगी, जो इस घटना की जांच करेगी। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए चार टीम के जरिये जांच कर रहे हैं कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए और कार्रवाई का सामना करना पड़े।''

मंत्री ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि सड़कों पर कोई कटे हुए, झूलते हुए तार न हों जिनमें बिजली प्रवाहित होती हो। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के अंदर टेलीकॉम कंपनियों को खंभों से लटकते हुए तारों को उचित स्थान पर हटाना होगा, ऐसा नहीं करने पर बिजली विभाग उन्हें हटा देगा।

कर्नाटक भाजपा में येडीयुरप्पा का दबदबा कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में आर अशोक की नियुक्ति ने एक बार फिर से कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा का प्रदेश की राजनीति में दबदबा कायम है।

राज्य पार्टी इकाई में येडीयुरप्पा के पुनरुत्थान से अधिक श्री अशोक की नियुक्ति ने उनके धुर विरोधी बीएल संतोष के पर कतर दिए हैं। जो 2021 में उस समय निचले स्तर पर थे, जब लिंगायत के मजबूत नेता को केंद्रीय नेतृत्व ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपदस्थ छोड़ने के लिए कहा था भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संतोष का येडीयुरप्पा के साथ टकराव चल रहा था, जिन्हें राज्य के पार्टी मामलों में बोलने की खुली छूट नहीं दी गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में उनके वजह से भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और कांग्रेस ने बहुत बड़ी जीत दर्ज की थी क्योंकि श्री संतोष कर्नाटक में दूसरी पंक्ति के नेताओं के साथ सामंजस्य बनाने में पूरी तरह से विफल रहे थे।

सबसे चौकाने वाली बात यह रही कि राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 69 लिंगायत उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था जिसमें से केवल 15 ने जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस के 46 लिंगायत उम्मीदवारों को टिकट दी उनमें से 37 ने जीत दर्ज की थी और निश्चित रूप से लिंगायत समुदाय ने येडीयुरप्पा को दरकिनार करने के लिए संतोष को जिम्मेदार ठहराया था और इस नतीजे ने इस धारणा को भी समाप्त कर दिया कि लिंगायत कांग्रेस के खिलाफ हैं।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से 2023 के विधानसभा चुनाव में येडीयुरप्पा को दरकिनार करने की गलती और पिछले लोकसभा चुनाव में उनके नेतृत्व से मिले लाभ को महसूस करते हुए, भाजपा ने राज्य में 28 में से 25 सीटें प्राप्त की थीं। केंद्रीय नेतृत्व के पास येडीयुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र को राज्य पार्टी प्रमुख बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, जो स्पष्ट रूप से येडीयुरप्पा के चुनावी राजनीति छोड़ने के बावजूद उन्हें उनका प्रतिबिंब माना जा रहा है।

भाजपा येडीयुरप्पा के तुरुप के इक्का के तौर पर विजयेंद्र और अशोक पर बड़ा दांव खेल रही है, जिससे लिंगायत और वोक्कालिगा के जातीय समीकरण के साथ अपनी किस्मत को पलट सके, जिसे पुराने मैसूर क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के सबसे मजबूत वोक्कालिगा समुदाय का समर्थन भी प्राप्त है। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में यह समीकरण भाजपा के लिए कितना कारगर साबित होता है, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन एक बात तो जरूर है कि विजयेंद्र की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में एक अविश्वसनीय उत्साह जगा गया है और यह बेंगलूरु में राज्य पार्टी मुख्यालय में विजयेंद्र के राज्य प्रमुख बनने के समारोह में स्पष्ट दिख रहा है।

सत्तारूढ़ पार्टी बोर्ड और निगमों में नियुक्तियों को अंतिम रूप दे सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस राज्य संचालित विभिन्न बोर्ड और निगमों में नियुक्तियों को अंतिम रूप दे सकती है। पहले मौजूदा विधायकों और विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) को इन पदों पर नियुक्त किया जा सकता है और फिर कार्यकर्ताओं एवं पूर्व विधायकों को नियुक्ति मिल सकती है। कर्नाटक के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला राज्य नेतृत्व के साथ इस कवायद पर चर्चा करने के लिए यहां आये हैं । मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने यहां पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा, सुरजेवाला आए हैं। पता नहीं इसे (नियुक्तियों को) आज अंतिम रूप दिया जाएगा या नहीं। योजना तो यह है कि पहले चरण में विधायकों और विधान पार्षदों को व दूसरे चरण में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पूर्व विधायकों को नियुक्त किया जाए। वहीं, उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने कहा कि सुरजेवाला यहां पार्टी के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आए हैं, इनमें ये नियुक्तियां भी शामिल है। सारी नियुक्तियां एक साथ नहीं हो सकती हैं। इन्हें दो-तीन चरणों में किया जाएगा और इसे हम करेंगे। कांग्रेस के राज्य की सत्ता में आए छह महीने बीत जाने के बावजूद इन बोर्ड और निगमों में नियुक्तियां नहीं होने से पार्टी में असंतोष है और बेसब्री बढ़ रही है।

लिंगायत मठ सेक्स स्कैंडल

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आरोपी संत के खिलाफ मामलों की जांच पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चित्रदुर्गा के ऐतिहासिक मुरुघा मठ के संत शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को बड़ी राहत देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को उनके खिलाफ मामलों की जांच पर स्थगन आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति एम. नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने आरोपी संत के खिलाफ चित्रदुर्ग के द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के समक्ष मामलों पर स्थगन आदेश जारी किया।

आरोपी संत की ओर से दलील देने वाले वरिष्ठ वकील सीवी. नागेश ने अदालत से कहा कि स्थानीय अदालत द्वारा आरोपी साधु के खिलाफ पूर्वाग्रहपूर्ण कार्रवाई के कारण गवाहों की जांच की प्रक्रिया को दूसरी अदालत में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। वकील नागेश ने आगे तर्क दिया कि उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद स्थानीय अदालत ने तत्काल रिहाई के आदेश जारी नहीं किए। रिहाई आदेश जारी करने में भी देरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी संत को तीन दिनों तक जेल में रहना पड़ा। जांच आगे न बढ़ाने के निर्देश के बावजूद अभी भी जांच की जा रही है। आरोपी संत के चित्रदुर्ग में प्रवेश पर प्रतिबंध के स्थगन आदेश के बावजूद, गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने का निर्णय इस संबंध में उच्च न्यायालय के आदेशों को कमजोर करने के लिए किया गया था। 16 नवंबर को 14 महीने की कैद के बाद जमानत पर रिहा हुए संत को 20 नवंबर को दावणगेरे से दूसरे पॉक्सो मामले में फिर से गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, कुछ ही घंटों के भीतर, उच्च न्यायालय ने कानूनी आधार पर उनकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया।

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण का सबसे बड़ा प्रतीक है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कानून व्यवस्था, महिला अपराध व भ्रष्टाचार को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने जनता को लुटेरों और दंगाइयों के हवाले कर दिया है। इसके साथ ही मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नामक तीन बुराइयों का प्रतीक बताया। मोदी ने अंता (बारां) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। लेकिन राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नाम के देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक ये संकल्प पूरा होना मुश्किल है। कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो- सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है। कांग्रेस ने राजस्थान की जनता को लुटेरों, दंगाइयों, अत्याचारियों और अपराधियों के हवाले कर दिया है। इसलिए आज राजस्थान का बच्चा बच्चा कह रहा है - गहलोत जी, कोनी (नहीं) मिले वोट जी। उन्होंने आरोप लगाया कि आज कांग्रेस के समर्थन से राजस्थान में समाज विरोधी ताकतों के हौसले बुलंद हैं। दंगाइयों के साथ साथ यहां कांग्रेस सरकार के मंत्री बहनों-बेटियों पर अत्याचार करने वालों के साथ खड़े रहते हैं। मोदी ने कहा कि जो कांग्रेस सरकार जान-माल और सम्मान की सुरक्षा तक नहीं कर सकती, उस सरकार को एक पल भी रहने का हक नहीं है।

कथित 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा,आजकल राजस्थान की लाल डायरी की सबसे अधिक चर्चा है।

इस लाल डायरी के पन्ने जैसे जैसे खुल रहे हैं, वैसे वैसे जादूगर जी के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही है। इस लाल डायरी में साफ-साफ लिखा है कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में आपके जल, जंगल और जमीन को कैसे बेचा है। प्रधानमंत्री ने कहा , महिला सुरक्षा और महिला कल्याण भाजपा सरकार की प्राथमिकता है।

अपनी बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए आपके इस भाई ने मुफ्त गैस कनेक्शन दिए। इस रक्षाबंधन पर भी हमने उज्ज्वला के गैस सिलेंडर के दाम में बड़ी राहत दी थी। अब राजस्थान भाजपा ने और भी सस्ता गैस सिलेंडर देने का ऐलान किया है। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों को लूटने वाला कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता है।

उन्होंने कहा, आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी जो भी गारंटी देता है वह पूरी होकर रहती है। हमारा लक्ष्य है कि भाजपा सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं से कोई वंचित नहीं रहे। इसलिए 15 नवम्बर को बहुत बड़ी 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' शुरू की है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

राजस्थान में इस बार बदलेगा रिवाज : लांबा

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अल्का लाम्बा ने दावा किया है कि राजस्थान में इस बार रिवाज बदलेगा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चौथी बार सरकार बनायेंगे। लाम्बा ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में दो फाड़ है और कांग्रेस संगठन एकजुटता के साथ संगठित होकर चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह डबल इंजन का 'डी' भी नहीं बोल पाते, जहां जहां डबल इंजन सरकार है वहां का क्या हश्र हो रहा है किसी से छीपा नहीं। उन्होंने कहा कि मोदी धर्म के नाम पर वोट मांगने का काम कर रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री गहलोत काम के नाम पर वोट मांग रहे है।

राजस्थान कांग्रेस के आज जारी हुए घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र मतलब गारंटी, जो भाजपा के जुमला घोषणा पत्र पर भारी है। 85 पृष्ठों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने युवाओं को रोजगार, पांच लाख का युवाओं को बिना ब्याज के लोन, ओपीएस के अलावा जातीय जनगणना की घोषणा प्रमुख है।

पूर्वी राजस्थान के जिलों में पानी की कमी से ईआरसीपी बना चुनावी मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। हमें हर दूसरे दिन केवल 5-10 मिनट पानी मिलता है, गर्मी हो या सर्दी, यह दुश्वारी कभी खत्म नहीं होती है। यह कहना है अलवर जिले में कबीर कॉलोनी की निवासी ऊषा का, जहां पानी की कमी इस बार एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया है। पूर्वी राजस्थान के जिले घरेलू और सिंचाई, दोनों तरह की जरूरतों के लिए पानी की कमी से जूझ रहे हैं। इसके चलते मॉनसून के दौरान चंबल नदी के अतिरिक्त पानी को मोड़ने के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) एक राजनीतिक मुद्दा बन गई है। यह परियोजना वर्षों से राजनीतिक खींचतान में फंसी हुई है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दे रही है, जबकि भारती जनता पार्टी (भाजपा) का आरोप है कि राजस्थान की सत्ताधारी पार्टी योजना पर अमल करने के लिए सकारात्मक कदम उठाने के बजाय केवल राजनीति कर रही है। पूर्व की भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र के 13 जिलों के निवासियों की सिंचाई और पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए ईआरसीपी का प्रस्ताव किया था। कांग्रेस ने क्षेत्र की 83 विधानसभा सीट पर मतदाताओं को लुभाने के लिए ईआरसीपी को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग उठाई है। इस मुद्दे को हवा देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'ईआरसीपी पर केंद्र के विश्वासघात के खिलाफ यात्रा' अक्टूबर में बारां से शुरू की और उन्होंने अन्य पूर्वी जिलों का भी दौरा किया। वर्ष 2018 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से गहलोत ईआरसीपी को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग करके भाजपा नीत केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र के 13 जिलों की 83 विधानसभा सीट में से कांग्रेस ने 49 सीट पर जीत दर्ज की जबकि भाजपा को केवल 25 सीट पर जीत मिली। निर्दलीय उम्मीदवार आठ सीट पर विजयी रहे जबकि राष्ट्रीय लोक दल को एक सीट पर जीत मिली।

कांग्रेस व गहलोत सरकार पिछड़ा विरोधी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस एवं उसकी सरकार को पिछड़ा विरोधी करार देते हुये मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछड़ा वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया है।

शाह किशनगढ़ बास में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी...और गहलोत सरकार भी पिछड़ा वर्ग की विरोधी सरकार है। इतने साल तक मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध कांग्रेस पार्टी ने किया और इतने साल तक कांग्रेस पार्टी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता नहीं दी।

शाह ने आगे कहा, '... मोदी जी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता दी। केन्द्र की सारी शिक्षा व्यवस्था में नरेन्द्र मोदी सरकार ने सभी जगहों पर पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। आज नरेन्द्र मोदी सरकार में 27 प्रतिशत मंत्री पिछड़ा वर्ग के हैं और मोदी जी ने पिछड़ा वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया है।'

शाह ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार वोट बैंक के लालच में तुष्टिकरण करने का काम कर रही है। कथित 'लाल डायरी' का जिक्र करते हुए शाह ने कहा,'लाल डायरी इनके भ्रष्टाचार के सारे कारनामे हैं।' शाह ने कहा कि जो सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त हो वो सरकार आपका भला नहीं कर सकती।

उन्होंने पेपरलीक प्रकरण को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा की सरकार आने पर भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में तुष्टिकरण चरम सीमा पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

मोदी, गहलोत और वसुंधरा- इन तीन चेहरों के इर्दगिर्द करवट ले रहा है जनमत

अजमेर/नागौर/सीकर। राजस्थान विधानसभा चुनाव में राजनीतिक फलक पर भले ही कई राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दे नजर आ रहे हों, लेकिन जिन तीन प्रमुख चेहरों की शहर से लेकर कस्बों और गांव-ढाणियों तक विमर्श तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका दिख रही है वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सबसे बड़ी ताकत नजर आ रही है तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी योजनाओं और 'गारंटी' के माध्यम से व्यापक जनमानस तक पहुंच स्थापित करते दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा ने वसुंधरा राजे का नाम भले ही ना घोषित किया हो, लेकिन राजस्थान के बहुत सारे मतदाताओं का ऐसा मानना है कि अगर उनका चेहरा सामने होता तो संभव है कि इस चुनाव की तस्वीर बिल्कुल साफ होती। अजमेर निवासी वीके जैन परंपरागत रूप से भाजपा के मतदाता हैं। उनका कहना है कि वह प्रधानमंत्री मोदी को मजबूती देने के लिए भाजपा को वोट देंगे। उन्होंने कहा, यह सच है कि प्रदेश का चुनाव है, लेकिन यह भी जरूरी है कि हमारे राजस्थान का तेजी से विकास हो। केंद्र में मोदी जी की सरकार है और अगर यहां भाजपा की सरकार बनती है तो राजस्थान का तेज गति से विकास होगा। हमारे लिए मोदी 'फैक्टर' सबसे बड़ा है। अजमेर उत्तर और अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में कई ऐसे मतदाता मिले जिनका यह कहना था कि वह लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में अलग-अलग प्राथमिकताओं के आधार पर वोट करेंगे। पेशे से ऑटो चालक राजेश कोली ने कहा, मैं ऐसे कई लोगों को जानता हूं जिन्हें गहलोत सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना (चिरंजीवी) से फायदा हुआ है। 500 रुपये के गैस सिलेंडर का फायदा मुझे खुद मिल रहा है। कई बातों पर विचार करने के बाद इस बार हमने कांग्रेस के वोट देने का मन बनाया है। हालांकि उनका यह भी कहना था कि लोकसभा चुनाव के समय उनके विचार अलग हो सकते हैं। नागौर के हरेंद्र चौधरी का कहना था, चुनाव में कुछ दिन बचे हुए हैं, लेकिन अभी तक मुझे यही समझ में आया है कि लोग गहलोत सरकार की योजनाओं से बहुत खुश हैं। हो सकता है कि नागौर के बहुत सारे मतदाता लोकसभा चुनाव में मोदी जी को वोट दें, लेकिन अभी तो गहलोत जी के कामों की चर्चा बहुत हो रही है।

जाति जनगणना देश का 'एक्स-रे', राजस्थान में सत्ता में आने पर कांग्रेस यह कराएगी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को जाति जनगणना का मुद्दा उठाया और इसे देश का 'एक्स-रे' बताते हुए कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने उदयपुर के वल्लभनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'अगर यह पता ही नहीं है कि किसकी आबादी कितनी है, तो हम भागीदारी के बारे में कैसे बात करेंगे।' उन्होंने कहा, अगर हम अधिकारों की, भागीदारी की बात कर रहे हैं तो हमें यह तो पता लगाना ही पड़ेगा कि कितने लोग किस जाति, समाज के हैं। इसको हम जाति जनगणना कहते हैं। जाति जनगणना देश का एक्स-रे है। यह करवाना जरूरी है।'

उन्होंने कहा कि अगर राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो राज्य में जाति जनगणना कराई जाएगी और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसा करेगी। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, जब तक कांग्रेस पार्टी है तब तक आदिवासियों के अधिकारों की हम रक्षा करेंगे। आपके साथ खड़े होकर हम आपके बच्चों को शिक्षा दिलवाएंगे, आपको नि:शुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा दिलाएंगे और आपका जल, जमीन व जंगल पर जो हक बनता है, हम वह आपको दिलवाएंगे।' उद्योगपति अडाणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, जेबकतरा क्या करता है? जेबकतरा पहले आपका ध्यान इधर-उधर करता है, दूसरी तरफ से कोई अन्य बंदा आकर आपकी जेब काट देता है। तो नरेन्द्र मोदी जी का काम आपका ध्यान इधर उधर करने का है, पीछे से अडाणी जेब काट देता है। यह टीम है। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भ्रष्टाचार को लेकर मंगलवार को प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा। वह सीकर के धोद में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया,जहां-जहां कांग्रेस रहेगी, वहां-वहां भ्रष्टाचार रहेगा। जहां-जहां कांग्रेस रहेगी, वहां लूट होगी। जहां कांग्रेस होगी, वहां घोटाला, घपला, अत्याचार, व्यभिचार, छलावा और धोखा होगा... जहां भाजपा का कमल होगा वहां विकास, तरक्की होगी और देश प्रदेश आगे बढ़ेगा। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर धार्मिक ध्रुवीकरण और भाई को भाई से लड़ाने का आरोप लगाया।

नड्डा ने कहा,आज राजस्थान की चर्चा धार्मिक ध्रुवीकरण और भाई को भाई से लड़ाने को लेकर है. .. हिन्दू-मुस्लिम के बीच में लड़ाई कराने का काम गहलोत सरकार ने किया कि नहीं किया? भाजपा नेता ने कहा, आज राजस्थान की पहचान भ्रष्टाचार के रूप में होती है... राजस्थान की चर्चा बहू बेटियों के साथ अत्याचार के लिए होती है... किसानों को धोखा देने के लिए होती है...दलित भाइयों के साथ अत्याचार के लिए होती है। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

कोटा उत्तर में गहलोत और वसुंधरा के करीबी आमने-सामने, विकास बनाम भ्रष्टाचार की लड़ाई

कोटा । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के भरोसेमंद माने जाने वाले दो नेता कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में एक दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री शांति धारीवाल एक बार फिर से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं तो भाजपा ने वसुंधरा राजे के करीबी प्रह्लाद गुंजल को टिकट दिया है। धारीवाल को उम्मीद है कि विकास कार्यों के जरिये कोटा की कायापलट करने के लिए जनता एक बार फिर से उन्हें अपना आशीर्वाद देगी तो भाजपा उम्मीदवार 2013 की तरह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को मात देने की आस लगाए हुए हैं। इस क्षेत्र में कांग्रेस विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को आगे करके चुनाव लड़ रही है तो भाजपा 'हिंदुत्व' और कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे के आधार पर चुनौती पेश कर रही है। अशोक गहलोत सरकार में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री धारीवाल को कांग्रेस में गहन मंथन के बाद टिकट दिया गया है क्योंकि वह उन तीन नेताओं में से एक हैं ।

कांग्रेस के घोषणापत्र में दस लाख रोजगार, किसानों को दो लाख का ब्याज मुक्त ऋण का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र मंगलवार को यहां जारी किया जिसमें उसने दोबारा सत्ता में आने पर किसानों को दो लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने, युवाओं को पांच साल में दस लाख रोजगार देने और छोटे व्यापारियों को पांच लाख रुपए तक का कर्ज बिना ब्याज देने सहित कई घोषणाएं की हैं।

इसके साथ ही कांग्रेस ने मुफ्त इलाज की अपनी महत्वाकांक्षी चिरंजीवी योजना में बीमा कवर की राशि को दोगुना कर 50 लाख रुपए करने, जाति जनगणना करवाने तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की निरंतरता हेतु कानून बनाने का वादा किया है। पार्टी ने जातीय जनगणना के बाद अल्पसंख्यकों को उनकी आबादी के अनुसार आरक्षण देने की बात भी की है।

राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा

तथा वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी के साथ यहां कांग्रेस मुख्यालय में यह 'जन घोषणा पत्र' जारी किया। डॉ जोशी ने कहा हम 2030 का मिशन लेकर चल रहे हैं, उसे ही घोषणा पत्र का आधार बनाया गया है। एक नया राजस्थान बनाने के लिए 2030 की कल्पना लेकर हम घोषणा पत्र पेश कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस घोषणा पत्र के आधार पर जनता कांग्रेस को जनादेश देगी।

पार्टी के इस 'जन घोषणा पत्र 2' में कहा गया है, कांग्रेस ने देश के सबसे सस्ते, 500 रुपए में सिलेंडर देने की योजना का विस्तार एनएफएसए तथा बीपीएल परिवारों के लिए करने की गारंटी दी है। हम भविष्य में उज्ज्वला, एनएफएसए तथा बीपीएल परिवारों को और राहत देते हुए 400 रुपए में एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाएंगे। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का वादा करते हुए इसमें कहा गया है कि स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के आधार पर 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' गारंटी लागू करने के लिए एक विशिष्ट कानून बनाया जाएग। सभी किसानों को सहकारी बैंकों से दो लाख रुपए तक के ब्याज मुक्त कृषि ऋण की सुविधा दी जाएगी। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी के क्रमबद्ध कार्यान्वयन के लिए विस्तृत योजना पेश की जाएगी। इसके अनुसार, राज्य में पांच साल में दस लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इनमें चार लाख सरकारी नौकरियां होंगी। पंचायत स्तर पर भर्ती की एक नई योजना लाई जाएगी। महिला सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

जातिगत जनगणना करवाने की बात करते हुए घोषणा पत्र में कहा गया है, समाज के सभी तबकों के लिए समान सामाजिक कल्याण की भावना पर आधारित नीति बनाने हेतु वास्तविक जनसंख्या के आधार पर लाभ निर्धारण के लिए जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री नि:शुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा की राशि को 25 लाख रुपए सालाना से बढ़ाकर 50 लाख रुपए सालाना करने की घोषणा की है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना की तरह ही एक व्यापारी क्रेडिट कार्ड योजना लागू की जाएगी जिसमें छोटे व्यापारियों, दुकानदारों व युवा उद्यमियों को पांच लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

चौदह कोसी परिक्रमा, अयोध्या में उमड़े 30 लाख श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में मंगलवार को सरयू नदी में पवित्र स्नान करने के बाद चौदह कोसी परिक्रमा में भाग लेने के लिए लगभग 30 लाख लोग अयोध्या में एकत्र हुए। तड़के शुरू हुई परिक्रमा में श्रद्धालु अयोध्या की लगभग 50 किलोमीटर की परिधि का चक्कर लगाते हैं। यह परिक्रमा बृहस्पतिवार सुबह तक पूरी हो जाएगी।

हनुमान गढ़ी मंदिर से जुड़े वरिष्ठ संत तथा महंत धनीधर दास ने 'पीटीआईभाषा' से बातचीत में कहा कि शास्त्रों के अनुसार यह माना जाता है कि इस चौदह कोसी परिक्रमा में केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि 33 करोड़ देवी-देवता भी अयोध्या आकर परिक्रमा करते हैं। दास ने कहा कि हर साल कार्तिक अक्षय नवमी की तिथि पर अयोध्या में होने वाली चौदह कोसी परिक्रमा करने के लिये 30 लाख श्रद्धालुओं के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, मथुरा, वाराणसी और हिंदू भक्ति की पवित्र पीठ यानी सभी सात पुरियों से लगभग दो लाख संत अयोध्या आते हैं। ऐसा माना जाता है कि अक्षय नवमी के दिन किया गया कार्य कभी समाप्त नहीं होता है, इसलिए इस दिन लोग धार्मिक अनुष्ठान, पूजा, व्रत और दान करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यही कारण है कि देशभर से लाखों श्रद्धालु परिक्रमा के लिए अयोध्या पहुंचे हैं। अगली पंच कोसी परिक्रमा बृहस्पतिवार शाम को शुरू होगी जिसमें श्रद्धालु पवित्र लगभग 15 किलोमीटर की परिधि में पैदल यात्रा करेंगे। परिक्रमा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं।

बिहार में आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के लिए गजट अधिसूचना जारी

पटना/भाषा। नीतीश कुमार सरकार ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से सहमति मिलने के बाद मंगलवार को राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों के लिए आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने संबंधित विभागों को 'व्यापक जाति सर्वेक्षण के बाद बढ़े हुए आरक्षण के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने' का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से बैठक के बाद जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में बढ़े हुए आरक्षण के प्रावधानों को उन लोगों के लाभ के लिए अक्षरशः लागू किया जाना चाहिए, जिन्हें इसकी आवश्यकता है।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जाति आधारित गणना में लोगों की आर्थिक स्थिति की भी गणना करायी गई है, जिसके आधार पर तय किया गया है कि प्रत्येक गरीब परिवार (6,000 रुपये प्रति माह से कम कमाने वाले परिवार) को दो लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

ममता ने नई नीतियों, चार औद्योगिक गलियारों, समुद्री केबल स्टेशन की घोषणा की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को सातवें 'बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए राज्य से निर्यात दोगुना करने, लॉजिस्टिक क्षमता को आधुनिक बनाने और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण के प्रोत्साहन की योजनाओं समेत कई नई नीतियों की घोषणा की। बनर्जी ने पूर्वी क्षेत्र में 'इंटरनेट कनेक्टिविटी' सुधारने के लिए दीघा के समुद्री रिसॉर्ट में एक नए केबल लैंडिंग स्टेशन और जैव-ईंधन को प्रोत्साहन देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था 8.41 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष में 212 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। फोर्ब्स इंडिया की हालिया रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल को भारतीय राज्यों में सकल घरेलू उत्पाद के मामले में छठे स्थान पर रखा गया था।

मुख्यमंत्री ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, ऊर्जा दिग्गज संजीव गोयनका और विप्रो के रिशद प्रेमजी जैसे शीर्ष उद्यमियों की मौजूदगी में कहा कि चार नए औद्योगिक गलियारे स्थापित किए जाएंगे। ये गलियारे दानकुनी-कल्याणी, ताजपुर बंदरगाह-रघुनाथपुर, दनकुनी-झारग्राम और दुर्गापुर-कूच बिहार में स्थापित किए जाएंगे। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री और प्रधान मुख्य सलाहकार अमित मित्रा ने कहा कि पूर्वी भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स केंद्र दानकुनी में पहले से ही भंडारण गोदामों तक माल ले जाने के लिए नौ किलोमीटर का कन्वेयर बेल्ट है।

समझौता करने से इंकार करने पर बलात्कार पीड़िता की हत्या

कौशांबी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के डेरहा गांव में आरोपी व्यक्ति के साथ दबाव में समझौता करने से इंकार करने पर 20 वर्षीय कथित बलात्कार पीड़िता की हत्या कर दी गई । पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी । पुलिस ने बताया कि घटना कौशांबी जिले के महेवा घाट थाना क्षेत्र के डेरहा गांव में सोमवार को हुई ।

महेवा घाट थाने के थाना प्रभारी रजनीकांत राजपूत ने बताया कि मई 2022 में 20 साल की महिला के साथ पवन नामक आरोपी ने बलात्कार किया था, महिला की शिकायत के आधार पर पवन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया था । उन्होंने बताया इसके बाद से पवन का भाई अशोक निषाद नाराज हो गया और महिला तथा उसके परिजनों पर समझौता करने का दबाव बनाने लगा। पुलिस ने बताया, कुछ दिन पहले, पवन जमानत पर जेल से बाहर आया और उसने बलात्कार पीड़िता पर समझौता करने तथा मामला सुलझाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया । थानाध्यक्ष राजपूत ने बताया कि सोमवार 20 नवंबर को पीड़िता शिकायत करने थाने आई थी। उसका आरोप था की दुष्कर्म आरोपी पवन उसके साथ गाली गलौज करता है। उन्होंने बताया कि युवती की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए दो सिपाहियों को उसके गांव भेजा गया । उन्होंने बताया कि सिपाहियों के पहुंचने से पहले ही पवन ने अपने भाई अशोक तथा दो अन्य भाइयों के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ प्रहार कर पीड़िता की हत्या कर दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले में अपने सास-ससुर के गांव पहुंचीं

बारीपदा (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करने मंगलवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले के पहाड़पुर गांव पहुंचीं और वह वस्तुत: यहां की अपनी पुरानी यादों में खो गयीं। द्रौपदी मुर्मू की 1980 में पहाड़पुर के बैंकर श्याम चरण मुर्मू के साथ शादी हुई थी और इसी गांव में उनके सास-ससुर का मकान है। बाद में उन्होंने (राष्ट्रपति ने) इस संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा एसएलएस (श्याम-लक्ष्मण-सिपुन) न्यास को दान कर दिया था। यह न्यास उनके (द्रौपदी मुर्मू के) दिवंगत पति और दो बेटों के नाम पर स्थापित किया गया था।

पहाड़पुर गांव पहुंचने के बाद द्रौपदी मुर्मू एसएलएस स्मारक गयीं और उन्होंने अपने पति एवं बेटों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पति का 2014 में देहावसान हो गया था, जबकि उनके दो बेटे अगले कुछ सालों में गुजर गये थे।

गांव पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ग्रामीणों से मिलीं, जिनमें कुछ का उनसे और उनके दिवंगत पति से संबंध था। बच्चों के साथ बातचीत के दौरान द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पढाई पर ध्यान देने और आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करते रहने का सुझाव दिया।

ओडिशा में राष्ट्रपति ने तीन ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, जन्मस्थान के करीबी गांव तक की यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदामपहाड़ (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के मयूरभंज जिले में मंगलवार को बदामपहाड़ रेलवे स्टेशन से तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

मुर्मू ने बदामपहाड़ से रायरंगपुर तक एक ट्रेन में यात्रा भी की। रायरंगपुर राष्ट्रपति मुर्मू की जन्मस्थली उपरबेडा से करीब 13 किलोमीटर दूर एक गांव है। मुर्मू ने अपने जीवन का काफी समय रायरंगपुर में बिताया है। ट्रेनों को हरी झंडी दिखाए जाने के कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास सहित अन्य वरिष्ठ नेता और रेल अधिकारी मौजूद थे। वैष्णव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'देश के आदिवासी इलाकों तक संपर्क बनाना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। यह तीन ट्रेनें कई तरीकों से खनिज संपन्न इलाकों को फायदा पहुंचाएंगीं।' उन्होंने कहा कि 91 वर्षों में यह पहली बार हुआ है जब ये इलाके रेलवे के मानचित्र पर आए हैं और यहां एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गई हैं। दक्षिणपूर्वी रेलवे (एसईआर) के अंतर्गत आने वाले बदामपहाड़ स्टेशन को बेहद खूबसूरत तरीके से सजाया गया था और राष्ट्रपति व अन्य गणमान्य हस्तियों के स्वागत के लिए यहां एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय लोग जमा हुए, जो इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि इन तीन ट्रेनों में शालीमार-बदामपहाड़, बदामपहाड़-राउरकेला साप्ताहिक एक्सप्रेस और बदामपहाड़ से टाटानगर के बीच मेमू (मध्यम से छोटी दूरी वाली ट्रेन)ट्रेन शामिल है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा : अयोध्या में बनाई जा रही 80 हजार श्रद्धालुओं के लिए 'टेंट सिटी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ/भाषा। भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या में बनाये जा रहे भव्य राम मंदिर में अगले वर्ष 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 'टेंट सिटी' का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें 80 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश-विदेश से लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप श्री राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न स्थानों पर टेंट सिटी का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी।

बयान में अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के सचिव सत्येंद्र सिंह के हवाले से यह जानकारी दी गई है कि माझा गुप्तार घाट में 20 एकड़ भूमि में टेंट सिटी स्थापित की जाएगी। इसमें लगभग 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं के रहने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम में ब्रह्मकुंड के पास भी एक टेंट सिटी स्थापित की जा रही है। इसमें 35 टेंट लगेंगे, जिसमें लगभग 30 हजार श्रद्धालुओं के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से बाग बिजेसी में 25 एकड़ भूमि में टेंट सिटी स्थापित की जा रही है, जिसमें लगभग 25 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था हो सकेगी। इसके अलावा कारसेवकपुरम व मणिराम दास की छावनी में भी श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए टेंट सिटी स्थापित की जाएगी।

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के समय कड़ाके की ठंड रहेगी। ऐसे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए टेंट सिटी स्थापित की जा रही है। शीतकाल में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को देखते हुए टेंट सिटी का निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि श्रद्धालुओं को ठंड से राहत मिल सके। इसके लिए गद्दे-कंबल का भी प्रबंध हो रहा है। यहां ठहरने वाले श्रद्धालुओं के लिए शौचालय व स्नानगृह के अतिरिक्त भोजन के लिए भंडारागृह व मेडिकल शिविर का भी प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एडीए की ओर से जो टेंट सिटी स्थापित की जा रही है वह ठेकेदारों द्वारा निर्मित की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे।

बिहार में अधिकारी की गाड़ी की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

मधुबनी (बिहार)/भाषा। बिहार के मधुबनी जिले में सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी की कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना मधुबनी जिले के फुलपरास थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई, जहां निकटवर्ती मधेपुरा के जिलाधिकारी (डीएम) की कार चार लोगों को टक्कर मारने के बाद सड़क किनारे रेलिंग से टकरा गई।

मधुबनी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुशील कुमार ने फोन पर पीटीआई-भाषा को बताया, ''यह ज्ञात नहीं है कि मधेपुरा के डीएम कार के अंदर थे या नहीं, कार में सवार लोग वाहन छोड़कर मौके से भाग गए। कार दरभंगा की ओर जा रही थी।'' उन्होंने कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से आ रही थी और जब चालक ने सड़क पार कर रहे लोगों के एक समूह से टकराने से बचने की कोशिश की तो कार तेजी से मुड़ गई।

भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो चुनाव में धन संस्कृति के खिलाफ बोलती है: खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दावा किया कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो चुनावों में धन संस्कृति के खिलाफ खुलकर बोलती है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू और जिले के विधायकों के साथ ईस्ट कामेंग जिले के मुख्यालय सेप्पा में भाजपा की एक बैठक में खांडू ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव में धन संस्कृति से लड़ने का आह्वान किया।

पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, खांडू ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो कुछ कर सकती है और यह सभी राजनीतिक दलों में सबसे साफ-सुथरी पार्टी है। उन्होंने कहा, ''भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो चुनावों में धन संस्कृति के खिलाफ खुलकर बोल सकती है। मैं आप सभी से निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रचार करने का आग्रह करता हूं जो प्रदर्शन पर आधारित हो, न कि इस पर कि कौन सा उम्मीदवार कितना नकद या अन्य प्रकार का भुगतान कर सकता है।'' खांडू ने कहा, ''वोट खरीदने वाला नेता कभी काम नहीं करेगा। आइए लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखने और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इस कुप्रथा के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हों।'' मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया ताकि सुदूर गांव के अंतिम व्यक्ति को पता चल सके कि भाजपा सरकार उसके लिए क्या कर रही है।

लोकसभा चुनाव के बाद में होगा 'बड़ा परिवर्तन', समाजवादी महत्वपूर्ण भूमिका में रहेंगे : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में एक 'बड़ा परिवर्तन' होगा और आने वाले समय में समाजवादियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। अखिलेश ने यहां 'समाजवादी पीडीए साइकिल यात्रा' के समापन अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, '2024 के बाद देश में अलग तरह का और बड़ा परिवर्तन होगा।

समाजवादी पीडीए यात्रा ने बड़ा संदेश देने का काम किया है। यही पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) भाजपा और एनडीए (भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) का मुकाबला करेगा।' उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में साइकिल वालों (सपा उम्मीदवारों) की जीत होगी। पीडीए ही लोकसभा चुनाव में एनडीए को हराएगा। पीडीए की ताकत देखकर अब कई दल जातिवार जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। पूर्व में यह जनगणना रोकने वाले दल भी अब जाति जनगणना के पक्ष में आ गये हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा, 'समाजवादी लोग लम्बे समय से जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। जातीय जनगणना होगी तभी सभी जातियों को उनकी आबादी के अनुपात में हक और सम्मान मिलेगा। समाजवादी पार्टी जब सत्ता में आयेगी तो सबसे पहले जातीय जनगणना कराएगी।' उन्होंने साइकिल यात्रा करके आये पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि नौजवान आगे के संघर्ष के लिए तैयार रहें। देश की राजनीति जिस दिशा में जा रही है, उसमें आने वाले समय में समाजवादियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि 22 नवम्बर को सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जयंती है। सभी पार्टी कार्यकर्ता उनकी जयंती मनाएंगे। 'नेताजी' ने जीवन भर संघर्ष करके समाजवादियों को नई पहचान दी है। इस अवसर पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधायक शिवपाल सिंह यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, 'यह सरकार न कानून मानती है न संविधान मानती है। इसे हटाना ही होगा। इस समय समाजवादियों का मुकाबला झूठे, बेईमान और भ्रष्टाचारियों से है। इस सरकार में जनप्रतिनिधियों का सम्मान नहीं है। पूरी सरकार अधिकारियों के भरोसे चल रही है।'

आदिवासी बीजद नेता सलुगा प्रधान ओडिशा विधानसभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता सलुगा प्रधान मंगलवार को ओडिशा विधानसभा के उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। कंधमाल जिले में जी. उदयगिरी निर्वाचन क्षेत्र से दो बार के आदिवासी विधायक प्रधान ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया था और इस पद के लिए वह एकमात्र उम्मीदवार थे। विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने प्रधान को विधानसभा उपाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। इसके साथ ही ओडिशा विधानसभा में अब एक दलित विधानसभा अध्यक्ष और एक आदिवासी उपाध्यक्ष है।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रधान को बधाई देते हुए कहा, ''विधानसभा लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, हम सभी को अपने आचरण के माध्यम से इस सदन की गरिमा बनाए रखना चाहिए। मैं सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे विधानसभा उपाध्यक्ष को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उनका पूरे दिल से समर्थन एवं सहयोग करें।'' प्रधान ने चयन के बाद कहा, ''मैं सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने का प्रयास करूंगा। मैं सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों दलों के सदस्यों की राय का सम्मान करूंगा।'' वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दशरथी गमांग और भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन माझी ने प्रधान को बधाई दी और उनके साथ सहयोग करने का संकल्प जताया।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। हॉकी इंडिया ने यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में 22 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाले सीनियर राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए सोमवार को 34 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की।

भारत को 15 से 22 दिसंबर के बीच वेलेंसिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। भारत के अलावा इस प्रतियोगिता में आयरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और मेजबान स्पेन की टीम भाग लेगी। रांची में 13 जनवरी से शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए भारतीय टीम की तैयारी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानिक शोपमैन ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,''हमारे लिए लय बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं से पहले हम सही मानसिक स्थिति में रहें।'' उन्होंने कहा,''हमारी निगाहें पेरिस ओलंपिक पर टिकी हैं और उसमें अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए हमें रांची में अगले साल होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।''

भारतीय खिलाड़ी इस महीने के शुरू में रांची में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने के बाद शिविर में वापसी करेंगे। भारत ने इस प्रतियोगिता के फाइनल में जापान को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

वरिष्ठ भाकपा नेता एवं केरल के पूर्व विधायक रामचंद्रन का निधन

कोच्चि/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आर रामचंद्रन का बीमारी के चलते 75 वर्ष की आयु में मंगलवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ समय से यकृत संबंधी बीमारियों से पीड़ित रामचंद्रन की हालत सोमवार को बिगड़ गई, और फिर उनका निधन हो गया। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में दूसरे सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी भाकपा के, दक्षिणी कोल्लम जिले में एक प्रमुख नेता रामचंद्रन ने 2016-2021 की अवधि के दौरान राज्य विधानसभा में करुनागपल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन हार गए थे। वह पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय थे। भाकपा राज्य परिषद के सदस्य रह चुके रामचंद्रन ने शुरुआती वर्षों में राज्य संचालित सिडको के अध्यक्ष और जिला पंचायत में उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया था। वरिष्ठ भाकपा नेता एवं राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने रामचंद्रन के निधन पर शोक व्यक्त किया।

देश हमेशा आपके साथ खड़ा है: प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मुकाबले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से मुलाकात की और लगातार 10 जीत दर्ज करने के लिए टीम की सराहना की।

उन्होंने इस दौरान खिलाड़ियों की हौसला अफ़ज़ाई की और उन्हें एक-दूसरे को प्रेरित करने को कहा। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच के तुरंत बाद टीम के साथ अपनी मुलाकात का एक संक्षिप्त वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत आज और हमेशा उनके साथ खड़ा है।'' प्रधानमंत्री वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज विराट कोहली का हाथ पकड़कर उनसे कहते नजर आ रहे हैं, ''आप 10 मैच जीतने के बाद यहां तक पहुंचे हैं। यह सब होता रहता है।'' उन्होंने कहा, ''मुस्कुराइए, देश आपको देख रहा है।'' मोदी ने प्रतियोगिता में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले भारत के गेंदबाज मोहम्मद शमी को गले लगाया और कहा कि उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अन्य खिलाड़ियों और टीम के कोच राहुल द्रविड़ से भी बातचीत की। उन्होंने टीम के सदस्यों से कहा कि वे जब भी दिल्ली आएं तो उनसे जरूर मिलें।

लीग मैचों में ऑस्ट्रेलिया सहित अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को बिना किसी परेशानी के हराने के बाद विश्व कप जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा भारत, रविवार को फाइनल मैच में पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम से छह विकेट से हार गया।

सुविचार

एक दिन तुम अपने आप से ज़रूर शिकवा करोगे, वक़्त और हालात से नहीं, कि ज़िंदगी सामने थी और तुम दुनिया मैं उलझे रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुधारों का मार्ग

'एक देश, एक चुनाव' पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का यह बयान विचारणीय है कि इसमें देशहित है और इसका सबसे बड़ा फायदा आम जनता को होगा। चूंकि कोविंद 'एक देश, एक चुनाव' की संभावना तलाशने वाली समिति के प्रमुख भी हैं, इसलिए इस मुद्दे पर उनका बयान काफी अहमियत रखता है। चुनाव सुधारों का संबंध देश के लोकतंत्र की मजबूती से तो है ही, आर्थिक विकास से भी बहुत गहरा संबंध है। 'एक देश, एक चुनाव' का सबसे बड़ा लाभ तो यही है कि इससे समय बचेगा, संसाधनों की भी बचत होगी। जो धन हर साल किसी न किसी चुनाव पर खर्च होता है, बाद में वह विकास कार्यों पर खर्च किया जा सकेगा। इतने बड़े देश में चुनाव कराना कोई आसान काम नहीं होता है। कई साधन-संपन्न और विकसित देश यह देखकर हैरान होते हैं कि भारत में करोड़ों की आबादी के लिए मतदान की सुविधाओं से लेकर कर्मचारियों द्वारा मतगणना और नई सरकार के चुने जाने तक की लंबी प्रक्रिया को किस तरह अंजाम दिया जाता है! उनका निर्वाचन तंत्र तो कुछ करोड़ की आबादी के लिए समुचित व्यवस्था करने में ही हांफने लगता है। अभी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया पर देश-दुनिया की नजर है। भारत उत्सवों और त्योहारों का देश है। हमारे लिए चुनाव भी किसी उत्सव से कम नहीं हैं। हर साल किसी न किसी राज्य में विधानसभा, नगर निकाय और पंचायतों के चुनाव होते हैं। लोकसभा चुनाव तो सबसे बड़ा चुनावी उत्सव है। इन सबके प्रबंधन पर अरबों रुपए खर्च होते हैं। दूसरी ओर, देश में आज भी बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। लाखों युवा डिग्री लेने के बाद भी नौकरी की तलाश में हैं। ऐसे कई स्कूल हैं, जहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। सरकारी अस्पतालों की स्थिति में सुधार के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बहुत बेहतर नहीं है। ऐसे में संसाधनों का इस प्रकार उपयोग किया जाना चाहिए कि सभी चुनाव हों और विकास कार्यों को भी ज्यादा बजट मिले।

'एक देश, एक चुनाव' में इसकी उज्ज्वल संभावनाएं नजर आती हैं। हालांकि इस दिशा में कदम बढ़ाना आसान नहीं होगा। इस दौरान सरकार पर विपक्ष के हमले तेज होंगे। यह आरोप लगेगा कि लोकतंत्र समाप्त किया जा रहा है! इसलिए बहुत जरूरी है कि पहले इस पर काफी विचार-विमर्श हो, विपक्ष की आशंकाओं का निवारण किया जाए, जनता को इसके फायदे बताए जाएं। प्राय: विपक्ष की यह शिकायत होती है कि अगर 'एक देश, एक चुनाव' लागू हुआ तो इससे सत्तारूढ़ दल को फायदा मिलेगा। हालांकि भारत के चुनावी इतिहास में ऐसे अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जब लोगों ने विधानसभा चुनाव में किसी खास दल को वोट दिया और उसके कुछ महीने बाद जब लोकसभा चुनाव हुआ तो किसी और दल पर भरोसा जताया। दिसंबर 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, लेकिन अप्रैल-मई 2019 में लोकसभा चुनाव में भाजपा पर भरोसा जताया। सत्तारूढ़ दल हो या विपक्षी दल, इस बात को न भूलें कि अब देश का मतदाता बहुत जागरूक हो गया है। वह अपने विवेक, बुद्धि के आधार पर निर्णय लेने में भलीभांति सक्षम है। अगर उसे लगेगा कि राज्य में कोई दल बेहतर प्रदर्शन कर सकता है और केंद्र में दूसरे दल की सरकार बननी चाहिए तो वह तमाम प्रचार, रैलियों, वादों और दावों के बावजूद उसे ही वोट देगा, जिसे देना चाहेगा। 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था के लिए सभी दल सहमति बनाएं। अगर इस व्यवस्था में कोई खामी नजर आती है तो उसे उजागर कर बेहतरी का सुझाव दिया जाए। देश का लोकतंत्र सुधारों से सशक्त होगा। मौजूदा जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सुधारों का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी जो भी गारंटी देता है, वो पूरा होकर रहती है। हमारा लक्ष्य है कि भाजपा सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं से कोई वंचित न रहे। इसके लिए 15 नवंबर से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' हमने शुरू की है।

-नरेन्द्र मोदी

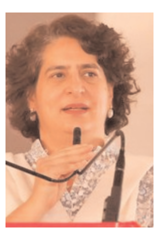

लोकतंत्र में सरकार की अपनी एक पाई भी नहीं होती। सारी की सारी संपत्ति जनता की होती है। हमारा प्रयास यही है कि आपकी संपत्ति, आपका हिस्सा आपकी जेब में जाये। देश ने भाजपा को भी देख लिया है।उनके हिसाब से देश की सारी संपत्ति उनके मित्र उद्योगपतियों की है।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

गोविंददेव जी की पावन भूमि गुलाबी नगर जयपुर में आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी रोड शो कर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की। भाजपा परिवारजन और जयपुर शहर निवासी प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत करते हैं।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

खुशी की कसक

पहले विश्वयुद्ध में रूस का एक हवाई इंजीनियर पीटर दुर्घटना में घायल हो गया और उसकी एक टांग भी काटनी पड़ी। डॉक्टरों ने उन्हें लकड़ी की टांग लगा दी। पीटर ने स्वयं को सैन्य गतिविधियों में व्यस्त रखा। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय वह अस्पतालों में घायलों का हाल पूछते हुए उनका हौसला बढ़ा रहे थे। उन्होंने एक सैनिक से कहा, नकली टांग का एक फायदा तो यह है कि इस पर चोट लगने पर कुछ महसूस नहीं होता। यह कहते हुए उन्होंने उस घायल सैनिक को अपनी बेंत पकड़ा दी। घायल सैनिक ने जोश में पीटर की टांग पर दो-तीन बेंत जमा दी। पीटर हंसते हुए बोले, देखा नौजवान, इतनी मार का भी मुझ पर कोई असर नहीं हुआ। पीटर के हंसते हुए चेहरे को देखकर घायल सैनिकों पर अच्छा असर पड़ा। पीटर अपने सहायक अफसर के साथ कमरे से बाहर आ गए, वह दर्द से कराहते हुए अपनी टांग हाथों से दबाने लगे। सहायक ने पूछा, अंदर तो तुम हंस रहे थे। पीटर ने कहा, 'मेरे भाई, उस नौजवान ने मेरी सही टांग पर ही बेंत से पिटाई कर दी। मैं उसे रोकता तो मेरा वहां जाना ही व्यर्थ हो जाता।'

सामयिक

युद्ध-विराम के लिए समझौता टेबल पर बैठने की पहल हो

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध किस करवट बैठेगा, इसकी कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। डेढ़ माह से चल रहे इस युद्ध को विराम देने की कामना पूरी दुनिया कर रही है। सब शांति चाहते हैं, अयुद्ध चाहते हैं, अमन-चैन की भावना सभी के दिलों में है। लेकिन शांति एवं अयुद्ध की कामना के साथ कहीं-न-कहीं सोच में भयंकर भूल है। प्रतीत ऐसा हो रहा है बात युद्ध-विराम की हो और कार्य हों युद्ध के तो युद्ध-विराम कैसे होगा? इतने लम्बे युद्ध की विडम्बना यही है कि इजरायल पूरी ताकत लगाने के बावजूद अपने मिशन में कामयाब नहीं हो पाया है। न तो वह हमास को खत्म कर पाया है और न ही बंधक बनाए गए अपने लोगों को छुड़ा पाया है। छियालीस दिन से चल रहे इस युद्ध का एक और सार तत्व जो सामने आ रहा है वह यह कि करीब चौदह हजार लोगों की मौत हो चुकी है और इससे दोगुने घायल हुए हैं। इस युद्ध की एक और बड़ी विसंगति यही है कि मरने वालों में अधिकतर आमजन, महिलाएं और बच्चे हैं। युद्ध अनिवार्य हो सकता है, फिर भी युद्ध के बारे में उसका अंतिम सुझाव या निर्णय यही है कि युद्ध में किसी भी पक्ष की जीत निश्चित हो। लेकिन इस युद्ध में तो कोई भी जीतता हुआ प्रतीत ही नहीं हो रहा है। हिंसा एवं जनसंहार तो निश्चित है पर यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। युद्ध आज के विकसित मानव समाज पर कलंक का टीका है। युद्ध करने वाले और युद्ध को प्रोत्साहन देने वाले किसी भी पक्ष को आज तक ऐसा कोई महत्वपूर्ण प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उसे गौरवान्वित कर सके। निश्चित ही युद्ध तो बर्बादी है, अशांति है, विकास का अवरोध है, अस्थिरता है और जानमाल की भारी तबाही है। ऐसे युद्ध का अन्तिम निर्णय जब समझौते की टेबल पर ही होना है तो क्यों नहीं पहले ही टेबल पर बैठा जाये?

युद्ध तो एक आग है, जो सब कुछ भस्म कर देती है। हम इजरायल-हमास एवं रूस-यूक्रेन के युद्ध में ऐसी ही भारी तबाही, जनसंहार एवं विभीषिका देख रहे हैं। इन दोनों युद्ध से जुड़े अनेक सवाल अहम हैं, लेकिन इनका जवाब देने वाला कोई नहीं है। दो देशों के बीच युद्ध में निर्णायक अथवा मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला संयुक्त राष्ट्र भी युद्ध समाप्त करने की अपील से अधिक कुछ नहीं कर पा रहा। भारत ने भी ऐसे अनूठे प्रयास किये, लेकिन उनकी निर्णायक भूमिका नहीं बन पायी। भले ही भारत के प्रयास सफल न हो रहे हो, लेकिन ऐसे ही प्रयासों की आज प्रासंगिकता है। इन्हीं में युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला है, जो विश्व मानवता के हित में हैं। भारत ने युद्ध विराम की कोशिशों के साथ मानवीय दृष्टिकोण भी दर्शाया है। भारत ने लगातार पीड़ित लोगों की सहायता के लिये राहत सामग्री एवं दवाइयां भिजवाई है। भारत की पहल की संयुक्त राष्ट्र महासभा में रुचिरा कंबोज ने प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय नेतृत्व का संदेश स्पष्ट और सुसंगत रहा है। हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों का दृढ़ता से विरोध करते हैं। इस्राइल और हमास के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, कम्बोज ने भारत के मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फिलीस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है। कंबोज ने 70 टन आपदा राहत सामग्री पहुंचाने सहित फिलीस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इनमें दो किस्तों में 17 टन दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

युद्ध की स्थितियां लगातार विकराल होती जा रही है, इस संघर्ष में एक तरफ है इजरायल की सेना और दूसरी तरफ है आतंकी संगठन हमास, जो फिलीस्तीन को फिर से जिंदा करने के पक्ष में हैं। इजरायल ने हमास को नेस्तनाबूत करने की घोषणा की है, जबकि हमास ने दशकों पहले दुनिया के नक्शे से इजरायल का नामों-निशान मिटा देने की कसम खा रखी है। इस संघर्ष को लेकर दुनिया के देश भी अलग-अलग गुटों में बंट गए हैं, विरोधाभासी सोच सामने आ रही है। सब इस बात को भलीभांति जानते हैं कि ऐसे युद्ध के विनाश से उपजे हालात सदियों तक मानवता को भोगने पड़ते हैं। युद्ध भौतिक हानि एवं विनाश के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने में भी बहुत बड़ा कारण है। इससे पर्यावरण इतना प्रदूषित हो जाता है कि सालों तक इंसानों को शुद्ध सांस और भोजन मिलना मुश्किल हो जाता है। वैज्ञानिक इस बात की घोषणा कई बार कर चुके हैं कि युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने कम और दुष्परिणामों का शिकार बनने वाले संसार के सभी प्राणी होते हैं।

युद्ध कितना भी लम्बा चले, उसका अंत समझौते से ही संभव है, यह अन्तिम शरण प्रारंभिक शरण बननी चाहिए। इसके लिये दुनिया की महाशक्तियों को सच्चे एवं शुद्ध मन से प्रयास करने चाहिए। गाजा पट्टी में मानवीय सहायता की अपील करने वाला अमरीका, इजरायल को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करवा रहा है। वही गोला-बारूद गाजा पट्टी के निहत्थे लोगों पर दागा जा रहा है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इजरायल पर अचानक हुए हमले में ईरान का हाथ हो सकता है। ईरान के नेताओं ने हमले पर प्रोत्साहन और समर्थन के साथ युद्ध को आक्रामक बनाये रखने और इजरायल को ध्वस्त करने पर बल दे रहे हैं। हालातों को देखते हुए यही प्रतीत होता है कि हालिया जंग के पीछे ईरान है और वो अपने मंसूबे में कामयाब होता दिख रहा है। निश्चित ही दोनों पक्षों के हजारों लोग पीड़ित होंगे, लेकिन जब धुआं शांत हो जाएगा, तो केवल एक ही देश के हित पूरे होंगे और वो देश है ईरान। इन हालातों में युद्ध को समाप्त करने की कोई भी पहल सार्थक साबित हो तो कैसे?

इजरायल-हमास की ही तरह रूस और यूक्रेन युद्ध भी 600 से अधिक दिन से चल रहा है। इस युद्ध में दस हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं। इस युद्ध में एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन है, जिसके पीछे अमरीका खड़ा है। निःसंदेह हमास ने इजरायल पर जिस तरह की बर्बरता, क्रूरता एवं अमानवीयता की, उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी ही कम है। सवाल यह है कि गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में निर्दोष लोग जिस तरह से मारे जा रहे हैं, क्या बदले की कार्रवाई की आड़ में वह भी हमास जैसी बर्बरता एवं अमानवीयता नहीं है? शरणार्थी शिविरों, स्कूलों और अस्पतालों पर बमबारी को तो किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। यह भी बर्बरता ही है, जिसका समर्थन नहीं किया जा सकता।

इजरायल पर हमले के लिए हमास दोषी है, तो उसे सबक सिखाया जा सकता है। लेकिन, जवाबी कार्रवाई के नाम पर निहत्थे लोगों को निशाना बनाने का तो कोई समर्थन कैसे कर सकता है? ऐसी स्थितियां तो युद्ध नीति के भी विरुद्ध है। हिंसा, उन्माद एवं आतंक की धरती पर शांति की पौध नहीं उगायी जा सकती। अशांत विश्व को शांति का सन्देश देने के लिये भारत को अधिक प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि युद्ध के भयावह दुष्परिणामों से समस्त विश्व भयाक्रांत है, इसीलिये अब इजरायल-हमास और रूस और यूक्रेन में युद्ध-विराम की आवाज चारों ओर से उठ रही है। इन दोनों युद्धों के भयंकर कदमों के पीछे बहुत छोटे कारण, संकीर्णताएं एवं वैचारिक मतभेद रहे हैं। संसार में आज तक कोई भी अच्छा युद्ध एव बूरी शांति कभी नहीं हुई, जब शांति ही अच्छी और युद्ध ही बुरा है तो यह समझ व्यापक बननी ही चाहिए। य़

ज्ञान विज्ञान

सोनार पल्स क्या है? पानी के नीचे मनुष्यों को घायल कर सकता है?

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने खुलासा किया कि पिछले मंगलवार को उसके नौसैनिक गोताखोरों को ''मामूली चोटें'' लगीं थीं, जो शायद चीनी नौसेना के एक जहाज से हुए सोनार स्पंदन का नतीजा था। गोताखोर जापान के तट से दूर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एचएमएएस टुवूम्बा के प्रोपेलर से मछली पकड़ने के जाल को साफ कर रहे थे। उप प्रधान मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के एक बयान के अनुसार, एचएमएएस टुवूम्बा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संकेतों के साथ संचार करने के बावजूद, चीनी जहाज ऑस्ट्रेलियाई जहाज के पास पहुंचा और अपना सोनार चालू कर दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई गोताखोरों को पानी से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ओर से प्रतिक्रिया आई, जिसने इस घटना को ''असुरक्षित और गैर-पेशेवर'' करार दिया। लेकिन वास्तव में सोनार स्पंदन क्या है, और सोनार गोताखोरों को किस प्रकार की चोट पहुँचा सकता है? सोनार क्या है? प्रकाश पानी के नीचे सहज यात्रा नहीं करता है - यहां तक कि साफ पानी में भी, आप शायद कुछ दसियों मीटर तक देख सकते हैं। हालाँकि, ध्वनि पानी के नीचे बहुत अच्छी तरह से और दूर तक यात्रा करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पानी हवा की तुलना में बहुत सघन है, और इसलिए ध्वनिक दबाव तरंगों - ध्वनि तरंगों पर तेजी से और बेहतर प्रतिक्रिया कर सकता है। इन गुणों के कारण, जहाज समुद्र के माध्यम से नेविगेट करने और पानी के नीचे ''देखने'' के लिए सोनार का उपयोग करते हैं। 'सोनार' शब्द का अर्थ ध्वनि नेविगेशन और रेंजिंग है। सोनार उपकरण लघु ध्वनिक (ध्वनि) पल्स या पिंग भेजता है, और फिर गूँज का विश्लेषण करता है। उपकरण द्वारा प्राप्त गूँज के समय, आयाम, चरण और दिशा के आधार पर, आप बता सकते हैं कि पानी के नीचे क्या है - समुद्र तल, घाटी की दीवारें, मूंगा, मछलियाँ, और निश्चित रूप से जहाज और पनडुब्बियाँ। अधिकांश जहाज - छोटी, निजी नौकाओं से लेकर बड़े वाणिज्यिक टैंकरों तक - सोनार का उपयोग करते हैं। हालाँकि, मछली खोजने के लिए उपयोग किए जाने वाले आपके ऑफ-द-शेल्फ सोनार की तुलना में, नौसेना सोनार अधिक मजबूत होते हैं। गोताखोरों पर सोनार का क्या प्रभाव पड़ता है? यह अध्ययन करने के लिए एक कठिन विषय है, क्योंकि आप जानबूझकर मनुष्यों को ध्वनि के हानिकारक स्तरों के संपर्क में नहीं लाना चाहते हैं।

हालांकि विभिन्न नौसेनाओं के इसके संपर्क में आने के किस्से हैं। इस बात पर भी अध्ययन हुए हैं कि मनुष्य पानी के नीचे, नियोप्रीन सूट, हुड या हेलमेट के साथ या उसके बिना क्या सुन सकते हैं। हम पानी के नीचे अच्छी तरह से नहीं सुन पाते - इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि हम जमीन पर रहने के लिए विकसित हुए हैं। ऐसा होने पर, आपको पानी के नीचे एक सोनार ध्वनि (मध्यम से उच्च पिच शोर) सुनाई देगी और आपको पता चल जाएगा कि आप उसके संपर्क में आ गए हैं।

जब नौसैनिक सोनारों की बात आती है, तो मानव गोताखोरों ने लगभग 150 डीबी प्रति 1 पीए (एक माइक्रोपास्कल के संदर्भ दबाव के सापेक्ष डेसीबल, पानी के नीचे ध्वनि के लिए मानक संदर्भ) के स्तर पर ध्वनि को ''अप्रिय से गंभीर'' के रूप में मूल्यांकित किया है। यह शायद, बहुत मोटे तौर पर, एक सैन्य सोनार से 10 किमी दूर होगा।

चिंतन

राजस्थान में लड़खड़ाता तीसरा मोर्चा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। भाजपा जहां सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस 199 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने भरतपुर सीट राष्ट्रीय लोक दल को गठबंधन में दी है।

जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोश खरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम को बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बसपा, आप, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है।

पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वही तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं मगर कैसे जीतेगें इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है।

बसपा सुप्रीमो मायावती भी चुनावी प्रचार में उतर चुकी है। उन्होंने पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर, झुंझुनू जिलों की कई विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं भी की है। बसपा के सामने सबसे बड़ा संकट पार्टी कि साख को लेकर है। बसपा से 2008 व 2018 में 6-6 विधायक चुने गए थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को धत्ता बता दिया था। इसलिए लोगों का मानना है कि यदि बसपा के प्रत्याशियों को जीता भी दिया तो वह पार्टी में रहेंगे इस बात की क्या गारंटी है। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को 6 सीट व 4.03 प्रतिशत मत मिले थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जहां पिछली बार 142 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं इस बार सिर्फ 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव से पहले तो अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान में कई बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया था। मगर चुनावी अभियान के दौरान दोनों ही नेता अभी तक राजस्थान नहीं आयें है। पिछले चुनाव में आप पार्टी के सभी प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी। आप को को सिर्फ 68051 वोट मिले थे।

नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। मगर चुनाव में उन्होंने सिर्फ 78 सीटों पर ही प्रत्याशी उतारे है और उत्तर प्रदेश की आजाद समाज पार्टी कांशीराम के साथ गठबंधन किया है। जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण स्वयं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सीट से चुनाव में बुरी तरह हार चुके हैं। उन्हे मात्र 7640 वोट ही मिले थे। हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। यहां तक कि पिछले साल सरदार शहर उपचुनाव में 46000 वोट लेने के उपरांत भी उन्होंने वहां से अपने प्रत्याशी का नामांकन फॉर्म वापस करवा दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में बेनीवाल की पार्टी से 58 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें तीन जीतने में सफल रहे थे वहीं 48 उम्मीदवारों की जमानत जप्त हो गई थी। बेनीवाल की पार्टी को 856038 यानी 2.40 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार बेनीवाल सांसद रहते स्वयं खीवसर से अपने भाई नारायण बेनीवाल के स्थान पर चुनाव लड़ रहे हैं।

आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी नामक नई पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीट जीती थी। उनके आठ प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। तब पार्टी ने 255100 यानी 0.72 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार भारतीय ट्राइबल पार्टी का विभाजन हो गया और इससे टूटकर बनी भारत आदिवासी पार्टी ने 27 व भारतीय ट्राइबल पार्टी ने 17 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएमआईएम पार्टी के सिर्फ 10 प्रत्याशी ही खड़े हुए हैं। जबकि चुनाव से पहले ओवैसी 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। चर्चा है कि ओवैसी को 10 सीटों पर भी मुश्किल से ही प्रत्याशी मिल पाए हैं।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के सामने उनकी पत्नी रीटा चौधरी जननायक जनता पार्टी से खड़ी होकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। राजस्थान में वामपंथी दलों की स्थिति भी कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। पिछली बार दो सीटों पर जीतने वाली माकपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में माकपा ने 28 व भाकपा ने 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। जिनमें माकपा के दो प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे थे। मगर इस बार माकपा व भाकपा के प्रत्याशियों की स्थिति ज्यादा सुदृढ़ नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान में कांग्रेस व भाजपा के अलावा अन्य सभी दलों के नेता अपने आप को तीसरा मोर्चा कलवाना पसंद करते हैं। हालांकि तीसरा मोर्चा के दलों में भी आपस में सामंजस्य नहीं है। वे एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव से पहले यह प्रदेश में सत्ता बनाने के बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं। चुनावी मैदान में उनकी स्थिति को देखकर उस लंगड़े घोड़े की याद आती है जो रेस में तो शामिल हो जाता है मगर कभी जीत नहीं पता है। आज वैसे ही स्थिति राजस्थान में तीसरे मोर्चे की हो रही है। आज भी तीसरे मोर्चे के दलों के नेता एक दूसरे की टांग खींचाई करने से नहीं चूक रहे हैं। जो उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर उभर रही है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बातचीत

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार को मुंबई में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए विभिन्न उपायों की समीक्षा करने के बाद एक पार्क में जॉगर्स के साथ बातचीत करते हुए।

चिरंजीवी ने तृषा के बारे में मंसूर अली खान के बयान की निंदा की

हैदराबाद/भाषा

अभिनेता चिरंजीवी ने अभिनेत्री तृषा के बारे में निंदनीय बयान देने के लिए फिल्म कलाकार मंसूर अली खान की मंगलवार को निंदा की और उनके बयानों को अशोभनीय बताया।

लोकेश कनगराज के निर्देशन वाली और अभिनेता विजय अभिनीत फिल्म 'लियो' में संक्षिप्त किरदार अदा करने वाले खान ने हाल में एक साक्षात्कार में फिल्म की कश्मीर में शूटिंग के दौरान तृषा के साथ पर्दे पर एक साथ दिखने का मौका नहीं मिलने पर कथित रूप से

अपमानजनक बयान दिया था। तृषा ने कहा कि खान के बयान को अपमानजनक, नारी विरोधी और अशोभनीय बताया। उन्होंने कहा कि वह फिर कभी खान के साथ काम नहीं करेंगी।

चिरंजीवी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''तृषा के बारे में अभिनेता मंसूर अली खान द्वारा दिए गए कुछ निंदनीय बयान पर मेरा ध्यान खींचा गया। ये बयान न केवल एक कलाकार के लिए, बल्कि किसी भी महिला या लड़की के लिए अशोभनीय और खराब हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन बयानों की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। मैं तृषा और ऐसी हर महिला के साथ खड़ा हूं, जिसे इस तरह की घृणित टिप्पणियों का सामना करना होता है।'' तृषा ने तेलुगू सिनेमा के दिग्गज चिरंजीवी का समर्थन के लिए शुक्रिया अदा किया। 'लियो' के निर्देशक कनगराज और गायिका चिन्मयी श्रीपदा समेत अन्य लोगों ने भी तृषा के प्रति समर्थन जताया है।

भारत के साथ मजबूत संबंध चाहता है आसियान समूहः महासचिव काओ

जकार्ता/भाषा

'दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ' (आसियान) के महासचिव डॉ काओ किम होर्न ने कहा कि यह 10 सदस्यीय समूह भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहता है और दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा की जा रही है। डॉ काओ ने सोमवार सुबह यहां कुछ भारतीय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्षों की आबादी के आकार को देखते हुए उनके बीच बड़ी व्यापार और निवेश क्षमता है। उन्होंने कहा, ''हम भारत के साथ मजबूत रिश्ते चाहते हैं। सकारात्मक पहलू को देखिए।'' महासचिव ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि मौजूदा भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा की जा रही है और दोनों पक्षों की 2025 तक इसे पूरा करने की योजना है।

जकार्ता में सितंबर में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आसियान-भारत एफटीए की समीक्षा समयबद्ध तरीके से पूरा करने की जरूरत बताई थी। एफटीए पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे और इसे जनवरी 2010 में लागू किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार भारतीय कारोबारियों की लंबे समय से मांग रही है कि आसियान-भारत एफटीए की समीक्षा की जाए। उसने कहा कि समीक्षा जल्द शुरू होने से एफटीए को व्यापार के लिहाज से सुगम और परस्पर लाभकारी बनाने में मदद मिलेगी। आसियान के 10 सदस्यों में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, ब्रूनेई, और कंबोडिया हैं।

अमेरिका में भारतवंशी प्रवासियों के पैनल ने पन्नू और एसएफजे को 'नो-फ्लाई' सूची में शामिल करने की मांग की

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका में भारतवंशी प्रवासियों के पैनल ने एयर इंडिया से उड़ान भरने वाले लोगों को धमकी देने वाले वीडियो संदेश जारी करने के लिए आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू और उसके प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) को 'नो-फ्लाई' सूची में शामिल करने की मांग की है।

भारतीय-अमेरिकी और भारतीय-कनाडाई लोगों के एक संगठन 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' (एफआईआईडीएस) द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें एसएफजे के अलगववादी सिख नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

एसएफजे एक अमेरिका स्थित संगठन है जिसे भारत सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया हुआ है।

जुलाई, 2020 में पन्नू को अलगाववाद को बढ़ावा देने और कथित तौर पर पंजाबी सिख युवाओं को हथियार उठाने के लिए उकसाने के लिए यूएपीए के तहत एक 'आतंकवादी' घोषित किया गया था। एफआईआईडीएस के खंडेराव कांड ने कहा, ''कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंक की स्वतंत्रता के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से प्रस्तुत किया और चरमपंथी निज्जर की हत्या को लेकर भारत के खिलाफ उनके आरोपों ने कनाडा में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधों को बढ़ावा दिया है।'' उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रूडो की नीतियां चरमपंथ के खतरों की अनदेखी करती हैं जिनका कनाडा पर भी अंततः प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कांड ने एक बयान में कहा, ''पैनल में शामिल लोगों ने वर्ष 1985 में एयर इंडिया के विमान 'कनिष्क' में बम विस्फोट की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि गुरपतवंत पन्नू और एसएफजे के सदस्यों को एयर इंडिया से यात्रा करने पर धमकियों के लिए 'नो-फ्लाई' सूची में क्यों नहीं रखा गया है।'' अंग्रेजों और कांग्रेस पार्टी, दोनों की ओर से हिंदुओं और सिखों के बीच नफरत के ऐतिहासिक बीज बोए जाने के संदर्भ में कैलिफोर्निया में रहने वाले सुखी चहल ने कहा कि एसएफजे सिखों का समग्र प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसने हिंदुओं तथा सिखों के खिलाफ विकृत और घृणित दुष्प्रचार किया है। कनाडा की रुचि वालिया ने हिंदू और सिखों की एकता का महत्व बताया। 'कनाडियन हिंदूज फॉर हार्मनी' के प्रवक्ता विजय जैन ने इस बात पर जोर दिया कि कट्टरपंथी उदारवादी आवाजों को दबा रहे हैं और शांति तथा सद्भाव को खतरे में डाल रहे हैं। एफआईआईडीएस के विश्लेषक मोहन सोंती ने कहा कि कनाडा में भारतीयों के लिए मौजूदा खतरा, खासकर खालिस्तानी आतंकवादियों से, लगभग 45 साल पहले कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री के पिता पियरे ट्रूडो के समय शुरू हुआ था।

सोंती ने 1985 के कनिष्क विमान में बम विस्फोट का हवाला देते हुए दावा किया कि पियरे ट्रूडो की उदारता ने खालिस्तानी आतंकवाद के पनपने में योगदान दिया।

'सुल्तान मिर्जा' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

अंडरवर्ल्ड की दुनिया पर आधारित फिल्म सुल्तान मिर्जा का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। निर्देशक इकबाल बख्श ने लखनऊ पर एक समय राज किये हुए अंडरवर्ल्ड डॉन सुल्तान मिर्जा पर आधारित फिल्म सुल्तान मिर्जा बनायी है, जिसका फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है।ओक़ाब इंटरनेशनल, रेड किंग फ़िल्म प्रोडक्शन्स प्रेजेंट्स इस फ़िल्म के निर्माता हिमायत अली हैं। इस फ़िल्म को शान परफॉर्मिंग ग्रुप, आर आर रोकड़े प्रोडक्शन्स और वी जी फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनाया गया है। फ़िल्म सुल्तान मिर्जा के सह निर्माता राजेश रोकड़े गेंदराज यादव एवं जावेद मीर खान हैं। इस फ़िल्म की कहानी दीपक भाटिया ने लिखी है,स्क्रीनप्ले और संवाद हिमायत अली का है। फ़िल्म के सिनेमेटोग्राफर दिनेश आर पटेल एवं सन्तोष सिंह हैं।

फ़िल्म में मारधाड़ जावेद आर शेख का है , कोरियोग्राफर दिलीप मिस्त्री हैं। फ़िल्म सुल्तान मिर्जा के मुख्य कलाकार साहिल अख़्तर खान, श्वेता दुबे, हिमायत अली, ज़रीना वहाब, दीपक भाटिया, यशपाल शर्मा, अनंत जोग,सिकन्दर खान,देव गिल हैं।

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' का गाना 'इन राहों में' रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' का गाना इन राहों में रिलीज हो गया है। फिल्म 'द आर्चीज' के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा डेब्यू करेंगे। द आर्चीज' का गाना इन राहों में रिलीज हो गया है।'इन राहों में' को अरिजीत सिंह ने गाया है, इसे जावेद अख्तर ने लिखा है और शंकर-एहसान-लॉय ने इसे संगीतबद्ध किया है। अरिजीत सिंह ने कहा,'द आर्चीज़' के संगीत और 'इन राहों में' गाने पर काम करना अद्भुत रहा। जोया अख्तर, शंकर-एहसान-लॉय और जावेद अख्तर के साथ एक बार फिर काम करना, एक बहुत बढ़िया अनुभव था। गाने में हममें से हर एक का थोड़ा-थोड़ा अंश है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। जोया अख्तर ने कहा,अरिजीत सिंह निश्चित रूप से भारतीय संगीत क्षेत्र के महान लोगों में से एक हैं। वह एक गीत को इस तरह से जीवंत करते हैं जो उनके लिए खास है। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आखिरकार हमने इस एल्बम पर सहयोग किया है और वह द आर्चीज़ का हिस्सा है। 'इन राहों में' का उनकी गायकी बहुत खास और बहुत खुशनुमा है।

मैं उनके फैंस द्वारा इसे सुनने का इंतजार नहीं कर सकती। 'द आर्चीज' फिल्म की कहानी कॉमिक बुक कैरेक्टर आर्ची एंड्रयूज और उसके दोस्तों पर आधारित है।'द आर्चीज' 07 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'द आर्चीज' शरद देवराजन और रीमा कागती द्वारा टाइगर बेबी और ग्राफिक इंडिया के बैनर तले बनाई गयी है।

रोहित शेट्टी ने पेश किया 'सिंघम अगेन' से अजय देवगन का फर्स्ट लुक

मुंबई/एजेन्सी

सर्कस की जबरदस्त असफलता के बाद रोहित शेटटी ने स्वयं को एक कामयाब निर्देशक साबित करने के लिए अपनी सफल फ्रेंचाइजी सिंघम के तीसरे भाग को बनाने की घोषणा करके अपने कॉप यूनिवर्स को एक साथ लाने का प्रयास शुरू कर दिया है। इस फिल्म रोहित शेटटी के कॉप यूनिवर्स के सिम्बा, सूर्यवंशी भी नजर आएंगे। पिछले कुछ समय से इस फिल्म के सितारों की पहली झलक दर्शकों के सामने पेश की जा रही है, जिससे फिल्म दर्शकों में चर्चाओं का विषय बन गई है। आज रोहित शेट्टी ने अपनी फिल्म के नायक सिंघम का लुक दर्शकों के सामने पेश किया है। दर्शकों को अजय देवगन के लुक का लम्बे समय से इंतजार था। रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का लुक शेयर करते हुए लिखा- शेर आतंक मचाता है और जख्मी शेर तबाही। सबका फेवरेट पुलिसवाला। बाजीराव सिंघम वापस आ गया है। सिंघम अगेन।

अजय देवगन का सिंघम अगेन से पहला लुक देखने के बाद प्रशंसक खासे उत्तेजित हो गए हैं। वह रोहित शेट्टी के पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। अजय देवगन बाजीराव सिंघम में किरदार में नजर आएंगे। अजय के इस किरदार को हमेशा पसंद किया गया है।

अजय देवगन के अलावा करीना कपूर फिल्म में फीमेल लीड में नजर आएंगी। अजय ने हाल ही में करीना का लुक शेयर किया था। अजय ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था- भयंकर, मजबूत और सिंघम की ताकत। अवनी सिंघम। फोटो में करीना हाथ में गन ताने नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं। करीना के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। सिंघम अगेन की रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का क्लैश अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 से होगा। दोनों ही फिल्में एक-दूसरे पर भारी पड़ने वाली हैं।

पणजी में 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में 'आज के दर्शकों के लिए एक व्यापक सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए इतिहास से प्रेरणा लेना' विषय पर एक पैनल चर्चा में अभिनेत्री सारा अली खान।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करेंगी प्रिया बापट

मुंबई/वार्ता

नब्बे के दशक पर आधारित थ्रिलर फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ प्रिया बापट नजर आयेंगी। सेजल शाह निर्देशित और विनोद भानुशाली द्वारा निर्मित 90 के दशक की अनटाइटल्ड थ्रिलर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मुख्य भूमिका में प्रिया बापट नज़र आएंगी। निर्देशक सेजल शाह ने कहा,मैं प्रिया बापट के आने से रोमांचित हूं। प्रिया एक शानदार अभिनेत्री हैं और वे अपने हर किरदार को वास्तविकता प्रदान करती हैं। नवाज और प्रिया की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री बहुत ही फ्रेश और यूनिक है। प्रिया बापट ने कहा,जिस दिन से मैंने फिल्म की कहानी सुनी, तब से मैं इस मनोरंजक थ्रिलर का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी और साथ ही इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना भी शामिल था। स्क्रिप्ट बहुत ही इंटरेस्टिंग है, और 90 के दशक की सेटिंग पुरानी यादों की एक अतिरिक्त परत को जोड़ता है। नवाजुद्दीन के साथ काम करना हर रोज़ कुछ नया सीखने जैसा है और हम इस दिलचस्प कहानी को जीवंत करने के लिए उत्सुक हैं। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और बॉम्बे फेबल्स द्वारा प्रस्तुत, इस अनटाइटल्ड थ्रिलर का निर्माण विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, सेजल शाह और भावेश मंडालिया द्वारा किया गया है।

एकता कपूर ने जीता अंतर्राष्ट्रीय एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

अन्तर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स 2023 न्यूयॉर्क में हुआ। एक्टर-कॉमेडियन अभिनेता राइस डार्बी ने पुरस्कार समारोह की मेजबानी की। इस अवॉर्ड के नॉमिनेशन्स की घोषणा 26 सितंबर को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविज़न आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा की गई थी। इसमें भारत के दिग्गज कलाकार शेफाली शाह, वीर दास, प्रोड्यूसर/डायरेक्टर एकता कपूर समेत कई लोगों का नाम शामिल था। एकता कपूर और वीर दास ने एमी अवॉर्ड जीत लिया है, लेकिन शेफाली शाह को निराशा हाथ लगी।

शेफाली शाह बेस्ट एक्ट्रेस को नेटफ्लिक्स सीरीज उ्रश्रहळ उीळाश 2 में उनकी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था, लेकिन वह कार्ला सूजा से हार गईं। जिन्होंने अपनी फिल्म ला कैडा (डाइव) के लिए यह अवॉर्ड जीता है। इस कैटेगरी में अन्य नॉमिनेटेशन डेनिश सीरीज ड्रोमेरेन के लिए कोनी नीलसन

और ब्रिटिश शो आई हेट सुजी टू के लिए बिली पाइपर शामिल थे। एकता कपूर अंतर्राष्ट्रीय एमी डायरेक्टरेट हासिल करने वाली पहली भारतीय हैं। 2023 में हुए इस 51वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवार्ड्स के विश्व टेलीविजन फेस्टिव में उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया है। इस मुकाम पर पहुंचकर ये अवॉर्ड पाना एकता कपूर के लिए बहुत बड़ी खुशी है।

इसके बारे में बात करते हुए एकता ने कहा,मुझे लगता है कि कला और राइटिंग और स्टोरी टेलिंग जितना हमने श्रेय दिया जाता, उससे कहीं अधिक प्रभाव पड़ता है। अब ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर इस सम्मान से सम्मानित होने पर मैं थोड़ा अभिभूत और विनम्र महसूस कर रही हूं। इस सम्मान ने मुझे थोड़ा ज़िम्मेदारी का एहसास कराया है। मुझे लगता है कि यह आवाज जो मुझे दी गई है, मुझे इसका इस्तेमाल दूसरों की भलाई के लिए और उन लोगों को कहानियां सुनाने के लिए करना चाहिए जिनकी बात नहीं सुनी जा रही है।

डिजिटल प्लेटफार्म पर डेब्यू करेंगी जैकलीन फर्नांडीस

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस डिजिटल प्लेटफार्म पर डेब्यू करने जा रही है। जैकलीन जिओ सिनेमा की वेब सीरीज जीओएटी (ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम) में काम करती नजर आएंगी।इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा करेंगे। इस वेवसीरीज में जैकलीन के साथ नील नितिन मुकेश अहम भूमिका में होंगे। जैकलीन अपनी पहली वेब सीरीज को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इस वेबसीरीज की शूटिंग मुख्यतः मुंबई में ही होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

शरीर व आत्मा दोनों का अस्तित्व अलग-अलग है। हम शरीर को बहुत महत्व देते हैं लेकिन आत्मा के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते हैं। आत्मा का अनुभव मनुष्य जन्म में ही किया जा सकता है और मनुष्य जन्म में भी आत्मा का अनुभव कम लोग ही कर पाते हैं। उन्होंने कहा आत्मा का अनुभव करने के लिए 12 भावना से भावित होना चाहिए और सूत्रों के अर्थ को जानकर क्रिया करनी चाहिए, ऐसा करने से हमें आत्मा की अनुभूति होगी। हमारे अंदर यदि पाप का डर है तो कर्मबंध कम होते जाएंगे। शरीर के जो पाप हो रहे हैं उन्हें गम से, चाल से और भाव से कम करना है, तब ही आप आत्मा का अनुभव कर सकते हो।

सच्ची सफलता वही है जो हमें प्रसन्नता और शांति की तरफ ले जाए : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'पूर्ण अनुशासन, समर्पण व लगन से ही जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने का रास्ता खुलता है।'सफलता के ये सुझाव आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने श्री सुमति वल्लभ नॉर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में प्रवचन के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में कुछ कर गुजरने का जुनून है तो कोई लक्ष्य कितना भी कठिन क्यों न हो, उसे प्राप्त कर सकते हैं। जब तक समर्पण नहीं होता, तब तक सच्चा सुख नहीं मिलता। सच्चे सुख की प्राप्ति के लिए समर्पण किया जाता है। लेकिन यहां जानने योग्य बात यह है कि समर्पण यदि कपटपूर्ण है तो सुख भी दिखावा मात्र ही होगा। समर्पण से ही परमात्मा सहाय बनते हैं।

आचार्य श्री ने उदाहरण से समझाते हुए कहा कि एक बन्दर का बच्चा अपनी माँ से चिपका रहता है। वह जानता है कि माँ के साथ वो सुरक्षित रहेगा। कहाँ, क्या, कब, कैसे इन सब का निर्णय वह माँ पर छोड़ देता है। यह शरणागति का एक अच्छा उदाहरण है। दूसरी ओर एक बिल्ली का बच्चा भी यही करता है लेकिन अपनी माँ से चिपकने के, वह स्वयं को छोड़ देता है। माँ उसे उठाकर सुरक्षित जगह पर पहुँचाती है। वही नुकीले दांत जो शिकार करते हैं बच्चे को कोई हानि नहीं पहुँचाते। यह भी एक समर्पण है। दोनों ही समर्पण के प्रकार हैं पर इनमें एक मूलभूत अंतर है, बन्दर की स्थिति में ज़िम्मेदारी उस बच्चे की है कि वह अपनी माँ से चिपका रहे अन्यथा संभव है कि वह सुरक्षित नहीं रहेगा। जबकि, बिल्ली के मामले में, यह सिर्फ़ माँ की ज़िम्मेदारी है। बिल्ली का बच्चा कुछ नहीं करता है। आपको बन्दर बनना है या बिल्ली का बच्चा ? इसका उत्तर है बुद्धिमान बनिए और अपना तरीका स्वयं ढूंढिये। सभी के लिए सफलता के अपने मायने होते है। जीवन में विकास करना ही सफलता है। आप जिस स्तर पर है, उससे आगे बढ़ना ही सफलता है। मगर सच्ची सफलता वही है जो हमें सुख, प्रसन्नता और शांति की तरफ लेकर जाये। अगर आगे बढ़ने हमें जीवन में सुख का अनुभव होता है, तो वह सफलता है। सफलता प्राप्त करने के अनेक सूत्र है। आप जिस भी स्तर पर है, उस स्तर के अनुसार आप सफलता का सूत्र गढ़ सकते है। हमें शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाना होगा। जीवन में आने वाली विपत्तियों के लिए तैयार रहना होगा। सफलता प्राप्त करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सफलता हमारे जीवन को नई दिशा देती है। सफलता हमें स्वतंत्र बनाती है। हम सभी को जीवन में सफलता को अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। सफलता हमें संपन्न, प्रसन्न और नई ऊर्जा प्रदान करता है। हम एक बहते हुए नदी की तरह बन जाते है जो सदा स्वतंत्र रूप से बहती रहती है। संघर्ष हमारे जीवन की सफलता को सार्थक बनाते है।

सिवांची जैन संघ का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। स्थानीय एक रिसोर्ट में सिवांची जैन संघ का दीपावली स्नेहमिलन आयोजित हुआ जिसमें समाज के तपस्वियों व मेधावी बच्चों का सम्मान किया गया। सदस्य परिवारों के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस वर्ष के स्नेह मिलन के लाभार्थी मूलचंद श्रीश्रीमाल परिवार रहे। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष मूलचन्द श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण अपने परिवार के साथ उपस्थित थे। संघ के सदस्यों ने लाभार्थी श्रीश्रीमाल परिवार का सम्मान किया।

समय अमूल्य है और जीवन क्षणभंगुर है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभाजी ने आयोजित धर्मसभा में श्रोताओं को धर्मसंदेश प्रदान करते हुए कहा कि धन-दौलत,मोह-माया सुख का नहीं, हमारे दुःख का साधन है। संसार में सांसे का कोई भरोसा नहीं। समय अमूल्य है और जीवन क्षणभंगुर है और मनुष्य शरीर की नश्वरता को जानतें हुए भी संसार के क्षण मात्र के सुख को पाने की चाह में वो परलोक के सुख को खो रहा है। जबकि संसारी सुख से आत्मा को सुख नहीं दुःख मिलता है आत्मा को तब सुख मिल सकता है जब मनुष्य अपने मोह को छोड़ेगा तभी वह परलोक के सुख को प्राप्त कर सकता है। भगवान महावीर स्वामी के प्रथम शिष्य गौतम स्वामी को मोह के कारण देर से केवलज्ञान प्राप्त हो पाया था। हमारा मोह घटेगा नहीं तब तक है हमारी आत्मा संसार से पार नहीं हो सकती है और न ही आत्मा को मुक्ति मिलने वाली है। जितना हमारा मोह बढ़ेगा उतनी ही बार संसार की अलग-अलग जीवा योनियो में हमे जन्म लेना पड़ेगा और संसार के दुखों को भोगना पड़ेगा। धन-दौलत, राग-द्वेष, मोह-माया ये सुख का साधन नहीं है हमारे दुःख का साधन है। मनुष्य जितना मोह का त्याग करेगा उतनी ही उसे जीवन में उसे सुख की अनूभूति करेगा और अपनी आत्मा को संसार के बंधनों से छुटकारा दिलवा पाएगा और परलोक के सुख को प्राप्त कर सकता है। संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचंद सिसोदिया ने जानकारी दी। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर संघ की ओर से सुनील चपलोत का सम्मान किया गया।

माहेश्वरी सभा के दीपावली मिलन में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा के तत्त्वावधान में दिवाली स्नेह मिलन 'दीपोत्सव' का आयोजन 19 नवम्बर को अरुम्बाक्कम स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज में हुआ। समारोह में सचिव संजय मूंदड़ा द्वारा माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे मूंधड़ा, मुख्य अतिथि, डॉक्टर अर्चना प्रसाद, तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लाखोटिया, फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी कमल फलोर एवं कार्यक्रम चेयरमेन श्रीमोहन दमानी, सभा के उपाध्यक्ष कमल गोइदानी, सहसचिव सुरेश भट्टर, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी व माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्ष प्रेमलता टावरी को मंचासीन कराया गया।

संजय मूंदड़ा ने समागत सदस्यों का स्वागत किया। दीप प्रज्ञवलन एवं गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम का भव्य आगाज हुआ। अध्यक्ष अशोक मूंधड़ा ने सभी का स्वागत किया तथा उपस्थित बच्चों को भविष्य के लिए मनोबल बढ़ाया व विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभकामनाओं के क्रम में मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लाखोटिया, तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, ऑल इंडिया माहेश्वरी कार्यसमिति के सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष प्रेमलता टावरी, माहेश्वरी स्पोर्टस् क्लब के अध्यक्ष किशन झंवर, माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष रविन्द्र डागा, माहेश्वरी युवा मंडल से राम रतन चांडक , तमिलनाडु माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के सचिव कमल फलोर, समन्वय की अध्यक्ष सीमा सुरजन, गवरजा माता महोत्सव समिति से राधे श्याम मुँधडा, एम सर्किल के सचिव आशुतोष बागड़ी आदि ने दीपावली की शुभकामनाएं संप्रेषित की। मुख्यअतिथि का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर अर्चना प्रसाद ने अपने अभिभाषण में अपने को माहेश्वरी सभा चेन्नई के दिवाली मिलन समारोह में अपने को मुख्य अतिथि बनने व पूरे माहेश्वरी समाज के बीच पाकर गोरवान्वित महसूस किया । सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई सहित उनके उन्नत भविष्य हेतु मंगलकामनाएं की।

कार्यक्रम के चैयरमेन श्रीमोहन दम्माणी ने सदन के समक्ष अपनी सम्पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि माहेश्वरी समाज से विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन देख सभी का सीना फूल रहा है। यह पूरे समाज हेतु गौरव की बात है। तमिलनाडु, पांडिचेरी एवं केरल से वर्ष 2022-23 के दसवी, बारहवीं एवं स्नातक परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले माहेश्वरी समाज के कुल 22 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री कमल फलोर ने अपने वक्तव्य में शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया।

गौरतलब है कि फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट प्रतिवर्ष प्रतिभावान विद्यार्थियों कार्यक्रम का कुशल संचालन अलका दम्मानी ने किया। श्री माहेश्वरी क्लब द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर विश्व कप फाइनल का लाइव प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर किया गया जिसका भी अनेक सदस्यों ने आनन्द लिया।

कोयम्बटूर की तेरापंथ महिलाओं ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार नवंबर महीने के सारे कार्यक्रम को कोयंबटूर तेरापंथ महिला मंडल ने पांच चरण में आयोजित किया। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू सेठिया ने सभी कर स्वाग किया। पहले चरण में 'कैसे युवतियां कर सकती है मंडल को और रोशन' विषयक कार्यशाला में प्रज्ञा बैद ने अपने अनुभव साझा किए। दूसरे चरण में 'दि पॉवर ऑफ सेल्फपॉवर' कार्यशाला में पूर्व अध्यक्ष मधु बांठिया, प्रियंका बेंगानी व दीपिका बोथरा ने 8 शक्तियों के बारे में बहुत ही सरल व प्रभावी तरीके से समझाया। उन्होंने निर्णय लेने के लिए आधार व अपने निर्णय के मूल्यांकन का तरीका बताया। हमें परखने की शक्ति भी आनी चाहिए। तीसरे चरण में मिलेट अर्थात पारम्परिक धान के व्यंजन बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 14 युवतियों में निहार गोलछा को पहला, रचना कांकरिया को दूसरा व गुन बोहरा व प्रियंका बेंगानी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। चौथे चरण में राज्यवार पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता में 10 महिलाओं ने अपनी प्रस्तुति दी जिसमें विभिन्न महिलाओं ने भारत के अलग-अलग राज्यों को रिप्रेजेंट किया। प्रथम स्थान अपराजिता नाहटा को, दूसरा स्थान आरती सुराणा को तथा तीसरा स्थान अनामिका घिया को मिला। पांचवें चरण में दीपावली स्नेह मिलन मनाया गया। मंत्री सुमन सुराणा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन सपना नौलखा ने किया।

'प्रभु के समीप जाने के लिए भक्ति की निरंतरता अति आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन संघ राजाजीनगर में विराजित पंन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचन्द्रविजयजी व बालमुनि भक्तिदर्शनविजयजी ने कहा कि प्रभु हमारे पास हैं, पर हम उनसे दूर हैं। देव मंदिर नहीं बनाते, परन्तु तीर्थंकर अरिहंत परमात्म को देशना देने के लिए सुंदर समवसरण बनाते हैं। इस अपेक्ष से मंदिर से भी प्रवचन हॉल व्यवस्थित होना चाहिए। कोई व्यक्ति यहाँ आने लगेगा तो सारे क्षेत्र सुंदर बनेंगे। सब सांसरिक वस्तुएं हमें डूबाने का कार्य करते हैं जबकि प्रभु, गुरु, मंदिर भवसागर पार करने का तरीका बताते है। बालमुनि ने अतिमहत्वपूर्ण बोध की बात करते हुए कहा कि रफ्तार से दौड़ी चली जाती गाड़ी को भी स्टेशन आने से पहले अपनी गति धीमी करनी पड़ती है। अगर स्टेशन पर ही झट से गाड़ी को रोका जाए तो अकस्मात/हादसा हो जाय। संसार के पथ पर तेज गति से दौड़ते हुए मनुष्य को भी एक हद तक उम्र हो जाने पर अपनी गति धीमी कर देनी चाहिए। दिन रात अंधी दौड़ लगाते रहने वाला जिन्दगी के आखरी पल तक भागता रहा तो निश्चित हादसा हो जायेगा। हमारे आसपास प्रभु भी हैं, किन्तु हम उनसे दूर-दूर रहते है पुद्गल और पदार्थ से ही नाता जोड़े रखने का सतत प्रयत्न करते हैं। प्रभु से प्रेम अर्थात गुण ग्राहकता, प्रेम में गुण ग्राहकता हो तो समझना कि सच में ही प्रेम है।

पीपाड़ के दो चमकते सितारे हैं आचार्य हस्ती व हीरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में मंगलवार को आचार्यश्री हीराचंद्रजी म.सा का 61 वां दीक्षा दिवस स्थानीय जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में सामायिक दिवस के रुप में मनाया गया। दीक्षा दिवस कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि माटी हैं पीपाड़ की चन्दन,जन्मे दो-दो रघु नन्दन। आचार्य हस्ती व आचार्य हीरा दोनों की जन्मभूमि पीपाड़ हैं। पिता मोतीलाल, माता मोहिनी देवी के यहां जन्में हीरा के बाल्यकाल दृढमय वैराग्य व दीक्षा का विवरण करते हुए वर्तमान में जिनशासन की स्थानकवासी परम्परा में उम्र,दीक्षा काल व आचार्य काल की दृष्टि से वरिष्ठतम आचार्यश्री हीराचंद्रजी म.सा के जिनशासन में योगदान संघ-समाज पर उपकारों का वर्णन किया। जैन महासंघ तमिलनाडु में आपकी प्रेरणा से हुए व बने समाज सुधार के नियमों का विस्तृत विवरण किया। संघाध्यक्ष प्रेमकुमार कवाड ने आचार्यश्री को व्यक्ति नहीं शक्ति का रुप बताया। अभय सुराणा, शशि कांकरिया, श्राविका मण्डल से संगीता बोहरा, युवक परिषद के सचिव महावीर कर्णावट संघ के पूर्व मंत्री जवाहरलाल कर्णावट, स्वाध्याय संघ संयोजक नवरतनमल बागमार, वरिष्ठ स्वाध्यायी चम्पालाल बोथरा, मनीषष जैन उज्ज्वल, दर्श-मोक्ष चोरडिया ने आचार्यश्री के गद्य, पद्य, स्तुति करते हुए अनेक संस्मरणों द्वारा उनका गुणगान किये। जैन रत्न विद्यालय के अध्यक्ष प्रसन्नचंद ओस्तवाल ने कवि सूर्यभानु की रचित स्तुति गीत प्रस्तुत किया। विनोदजी जैन ने देवयं, चेयमं शब्दों की व्याख्या करते हुए आचार्यश्री के गुणगान किये। वरिष्ठ श्रावक मदनलाल बोहरा ने मांगलिक सुनाई।

संसार में हर एक तीर्थ का अपना महत्त्व है : मुनि श्रीराजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम श्रीरामपुरम में मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी ने प्रवचन के दौरान श्रावक एवं श्राविकाओं को तीर्थों के बारे में तथा उनके महत्त्व के बारे में बताया। मुनिश्री तीर्थों में प्रतिभा के भव, रंग, आकार आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि हर एक वस्तु के लिए कोई न कोई कारण होता हैं। मुनिश्री रेवतगिरी में विराजमान गिरनार तीर्थ मंडण 22 वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ परमात्मा के स्वरुप का वर्णन किया तथा उनके इतिहास की जानकारी दी।

मुनि श्री श्रमणपद्मसागर जी ने भी कहा कि जीवन में आसपास में रहने वाले व्यक्तिओं की शिकायत करते है जबकि हमें हमेशा दूसरों के प्रति सकारात्मक भाव रखना चाहिए।

आयोजन जगत को नहीं अपितु जगतपति को खुश करने के लिए हो : मुनिश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागर जी ने कहा कि आज प्रदर्शन के दौर में लोग फंसे हुए है। वर्तमान जगत में दिखावा बहुत बढ रहा है। अध्यात्मवाद केवल शब्दों तक सिमट गया है। ये भगवान का उपदेश सिर्फ ग्रन्थों में छपा रह गया है। मुनिश्री ने कहा कि हमें दिखावे की नहीं वास्तिवक की दुनिया में जीना चाहिए। दान में गुप्त दान श्रेष्ठ माना जाता है। तप में अभ्यन्तर तप को उत्तम माना जाता है । सेवा में प्रेमभाव को अच्छा माना गया है। कोई भी आयोजन व्यर्थ खर्चे बिना हो तो अच्छा माना जाता है।

क्रिया विधिसहित ही श्रेष्ठ कही जाती है। गृहस्थ का सदाचार वाला संयमित जीवन ही सराहा जाता है। धार्मिक क्रिया कलाप आयोजन जीवरक्षा-जीवदया-जीव करुणा के लिए हो उसे हमेशा सराहा जाता है। लाभदायी आयोजन वो बनते है, जो स्वदर्शन कराते है, स्व का बोध कराते हैं। वर्तमान के आयोजन जगतपति को नहीं परन्तु जगत को खुश करने के लिए किये जा रहे हो ऐसा नहीं होना चाहिए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.